डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-5

PG-5

सिनेमाः स्कूल की पढ़ाई छोड़ एक्टिंग करने लगी थीं दिव्या भारती

वर्ष -08 अंक -32 | प्रयागराज, बुधवार 06 अप्रैल, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

निखरेंगे नैक रैंकिंग में पिछड़े उच्च शिक्षण संस्थान

नई दिल्ली। उच्च शिक्षा का सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) बढ़ाने की कोशिशों के बीच शिक्षा मंत्रालय उच्च शिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता को भी दुरुस्त करने की तैयारी में है। इस लिहाज से देश के ऐसे सभी उच्च शिक्षण संस्थानों की जानकारी जुटाई जा रही है, जो गुणवत्ता से जुड़ी नैक (नेशनल असेसमेंट एंड एक्रिडिटेशन काउंसिल) रैंकिंग में निचले पायदान पर हैं। मंत्रालय की योजना ऐसे सभी संस्थानों को चिह्नित कर उन्हें जरूरी संसाधन जुटाने में मदद देने की है। देश में मौजूदा समय में उच्च शिक्षा का जीईआर 27 प्रतिशत के आसपास है। 2030 तक इसे 50 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य है। यह पहल इसलिए भी अहम है, क्योंकि मौजूदा समय में देश में एक हजार से ज्यादा विश्वविद्यालय और करीब 45 हजार कालेज तथा दूसरे उच्च शिक्षण संस्थान हैं। हालांकि, नैक रैंकिंग में इनमें से सिर्फ 1,779 उच्च शिक्षण संस्थान 'ए' कैटेगरी में हैं। इनमें 206 विश्वविद्यालय भी हैं। बाकी उच्च शिक्षण संस्थान या तो नैक रैंकिंग की 'बी' और 'सी' कैटेगरी में हैं या फिर रैंकिंग प्रक्रिया में शामिल ही नहीं होते। मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल 'बी' और 'सी' कैटेगरी वाले सभी संस्थानों पर फोकस किया जा रहा है। रैंकिंग में इनके पिछड़ने के कारणों की जानकारी जुटाई जा रही है।

इलेक्ट्रिक वाहनों के मानकीकरण के लिए तकनीक विकसित

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी (आइआइटी-जी) के शोधकर्ताओं ने अपनी तरह की अनूठी तकनीक विकसित की है जो भारत में इलेक्ट्रिक गाडियों (ईवी) की मोटर और बैटरी को श्रेणीबद्ध करती है। यह तकनीक भारतीय परिस्थितियों में इन वाहनों के लिए बेहतरीन ड्राइवट्रेन उपकरणों का सुझाव देती है। ड्राइवट्रेन उपकरणों का समूह होता है जो वाहन के पहियों को शक्ति देता है। आइआइटी गुवाहाटी में इलेक्ट्रानिक्स एवं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में प्रोफेसर प्रवीण कुमार ने कहा कि आर्द्र क्षेत्र के लिए विकसित इलेक्ट्रानिक ड्राइवट्रेन (घटकों का समूह जो पहियों को ऊर्जा प्रदान करता है।

बिहार में एमएलसी उम्मीदवार रईस खान के काफिले पर एके 47 से अंधाधुध फायरिंग; एक युवक की मौत, चार घायल, विरोध में फूटा जनाक्रोश

सिवान । बिहार में सोमवार को स्थानीय प्राधिकार के विधान परिषद की 24 सीटों पर चुनाव के लिए मतदान हुआ। इसके बाद देर रात सिवान के एमएलसी के निर्दलीय उम्मीदवार रईस खान पर एके 47 से अंधाघुंध फायरिंग की गई। इस जानलेवा हमले में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई तो चार अन्य घायल हो गए। इनमें दो रइस खान के समर्थक शामिल हैं। हमले में रइस खान बाल-बाल बच गए। घटना के विरोध में ग्रामीणों ने मंगलवार की सुबह सिवान के सिसवन के महाराणा चौक को जाम कर दिया है बीती रात सिवान जिले में निर्दलीय एमएलसी प्रत्याशी रइस खान के काफिले पर ताबड़तोड़ फायरिंग करने का मामला सामने आया है। खबर के मुताबिक हुसैनगंज थाना क्षेत्र के महुअल गांव में सोमवार की देर रात अज्ञात बदमाशों की फायरिंग में गोली लगने से चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि, एक की मौत हो गई। मृतक की पहचान सिसवन गांव निवासी विनोद कुमार यादव के रूप में हुई है। घटना में तैयब अली उर्फ बबलू खान और फूलन के घायल होने की सूचना है। इसमें बबलू की स्थिति नाजुक बनी हुई है। अन्य घायलों के भी निजी अस्पतालों में भर्ती होने की बात कही जा रही है। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है घटना की सूचना मिलते ही मौके पर एसपी, एसडीपीओ, नगर थाना इंस्पेक्टर, सराय ओपी प्रभारी सहित कई थानों की पुलिस जांच को सदर अस्पताल पहुंची और पूछताछ में जुट गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार सिन्हा सूफिया नर्सिंग होम पहुंचे और घायलों से मिल कर घटना की जानकारी लेने का प्रयास किया। एसपी ने बताया कि मामले की तहकीकात कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस बीच घटना के विरोध में ग्रामीणों ने मंगलवार की सुबह सिसवन के महाराणा चौक को जाम कर दिया है। एमएलसी के उम्मीदवार ने कहा कि उनपर एके 47 से जानलेवा हमला किया गया, लेकिन वे बाल बाल बच गए। रईस खान का कहना है कि चार-पांच 47 से एक साथ हमला किया गया। घटना में गांव के एक निदोष लड़के की मौत हो गई। मतदान के पश्चात मतपेटियों के जमा किए जाने के बाद वापसी के दौरान घटना हुई।

प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे की अध्यक्षता में झारखंड कांग्रेस नेताओं की आज होगी दिल्ली में बैठक

रांची। पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली करारी हार के बाद, पार्टी राजनीतिक रणनीतियों पर जोरों-शोरों से काम कर रही है। झारखंड कांग्रेस के 25 नेताओं की आज, मंगलवार को पार्टी के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे के साथ बैठक है, जिसके लिए सबको दिल्ली बुलाया गया है। बता दें कि कमजोर कडियां को मजबूत करने के लिए अविनाश पांडे पूरी तरह से जुटे हुए हैं झारखंड कांग्रेस की इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष, झारखंड सरकार में कांग्रेस कोटे के चार मंत्री, सभी पूर्व प्रदेश अध्यक्षों और कांग्रेस की सभी विंग्स के अध्यक्षों को शामिल होने के निर्देश दिए गए हैं। ये बैठक दिल्ली में पार्टी मुख्यालय पर होगी। झारखंड कांग्रेस की यह बैठक अविनाश पांडे की अध्यक्षता में होगी। बैठक कांग्रेस नेता राहुल गांधी के शामिल होने के कयास लगाए जा रहे हैं, लेकिन इस बात की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। विकास के मुद्दे पर समाचार एजेंसी एएनआइ से बातचीत करते हुए झारखंड कांग्रेस प्रमुख राजेश ठाकुर ने बैठक को 'पूर्व-निर्धारित' कार्यक्रम बताया। उन्होंने कहा, 'ये पहले से तय कार्यक्रम है। हाल ही में हमारे इंचार्ज अविनाश पांडे बूथ स्तर पर पार्टी को और मजबूत करने के लिए रांची में सभी पूर्व अध्यक्षों सहित झारखंड कांग्रेस के नेताओं के साथ बैठक करेंगे। इस बैठक में नेताओं की जिम्मेदारी तय की जाएगी। मंगलवार यानी की आज आयोजित इस बैठक में झारखंड कांग्रेस के नेताओं को अहम टास्क देने की योजना बनाई गई है, जिससे कांग्रेस की धीमी पड़ी चाल को गति दी जा सके। इस बात को ध्यान में रखते हुए सभी नेताओं के बीच कार्य का आवंटन किया जाएगा इस बैठक के लिए बावत प्रदेश अध्यक्ष सहित कुछ नेता दिल्ली पहुंच चुके हैं, जबकि कई नेता और मंत्री आज सुबह दिल्ली की ओर प्रस्थान करेंगे।

पाकिस्तान की सियासी उठापटक के बीच सुप्रीम कोर्ट पर लगी है सभी की नजर, राष्ट्रपति पर भी उठ रही अंगुलियां

नई दिल्ली। पाकिस्तान में बीते तीन दिनों से ही सियासी पारा उफान पर है। इमरान खान और समूचा विपक्ष आमने सामने है और फिलहाल गेंद सुप्रीम कोर्ट के पाले में डाल दी गई है। विपक्ष ने सुप्रीम कोर्ट से इस मामले की सुनवाई फुल कोर्ट बैंच से कराने की गुजारिश की है। पीएमएल-एन के नेता शाहबाज शरीफ का कहना है कि यदि अविश्वास प्रस्ताव को लेकर कानूनी अड़चन थी तो स्पीकर ने इसको आठ मार्च को क्यों स्वीकार किया था। नेशनल असेंबली में विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को खारिज करने के डिप्टी स्पीकर के फैसले के खिलाफ मामले की सुनवाई के दौरान सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने सभी पाटिर्यों को सुनने और उनकी राय जानने की बात कही थी। अब इस मामले की आज भी सुनवाई होनी है। पाकिस्तान की मीडिया में इस मुद्दे पर जारी बहस के बीच ये बात सामने निकलकर आई है कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही इस मामले में फैसला लेने में देर कर दी है। ऐसे में यदि और अधिक देरी की गई तो ये पाकिस्तान के लिए अच्छा नहीं होगा। पाकिस्तान मीडिया में चली बहस के दौरान संसदीय प्रणाली में कानून और संविधान का पालन करने वाले देशों में भारत का नाम भी लिया गया। जियो न्यूज पर चली बहस के दौरान पाकिस्तान के वरिष्ठ पत्रकार हामिद मीर ने कहा है कि ब्रिटेन या भारत में संविधान का कभी उल्लंघन नहीं किया गया। उहोंने ये भी कहा कि ये देश संसदीय प्रणाली और लोकतंत्र की मिसाल रहे हैं। लेकिन पाकिस्तान में इस तरह की चीज कभी देखने को ही नहीं मिली हैं। इस दौरान बहस में शामिल अन्य मेहमानों का कहना था कि पाकिस्तान के बनने से लेकर अब तक कई मर्तबा इस तरह की स्थिति देश में बनी है जब लोकतंत्र और संविधान का मजाक बनाया गया और फिर समय निकलने के साथ हम आगे बढ़ गए। लेकिन उस दौरान जो कुछ हुआ उसने दूसरे लोगों के लिए वही रास्ता इख्तियार करने का एक जरिया खोल दिया। लिहाजा ये जरूरी है कि इस विकल्प को बंद किया जाए। इसलिए सुप्रीम कोर्ट को इस बारे में जल्द ही फैसला सुनाना चाहिए। हामिद मीर का यहां तक कहना था कि रविवार को ही सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए एक आदेश पारित किया था, जिसमें कहा गया था कि उनकी इजाजत के बिना राष्ट्रपति या फिर प्रधानमंत्री कोई फैसला नहीं सुनाएंगे। इसके बाद भी राष्ट्रपति ने इमरान खान को केयरटेकर प्रधानमंत्री के तौर पर काम करने का आदेश पारित कर कोर्ट की अवहेलना की है। ऐसे में पीएम के साथ राट्रपति ने भी संविधान का मजाक बनाया है।

फिर बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम, संसद में आज भी हंगामे के आसार

नई दिल्ली। देश में बढ़ती महंगाई की गूंज संसद में भी सुनाई दे रही है। सोमवार को संसद के दोनों सदनों में महंगाई के मुद्दे पर जोरदार हंगामा हुआ। विपक्षी सांसदों के हंगामे के चलते राज्यसभा की कार्यवाही को स्थगित करना पड़ा जबकि लोकसभा में हंगामे के बाद सदस्यों ने वाकआउट कर दिया। दरअसल, कांग्रेस और टीएमसी के अलावा अन्य दलों के विपक्षी सांसद महंगाई के मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रहे थे। राज्यसभा सांसद केसी वेणुगोपाल, अबीर रंजन विश्वास, विनय विश्यम समेत कई सांसदों ने चर्चा की मांग की। इसको लेकर सांसदों ने नोटिस भी दिए थे, लेकिन सभापति वेंकैया नायडू ने चर्चा की अनुमति नहीं दी। नोटिस अस्वीकार होने पर विपक्षी सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया। विपक्षी सांसद सभापति के आसन के पास नारेबाजी करने लगे। राज्यसभा की कार्यवाही को मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया। लोकसभा में भी राज्यसभा की तरह महंगाई के मुद्दे पर जोरदार हंगामा हुआ। विपक्षी सांसद पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों और महंगाई का विरोध कर रहे थे। कांग्रेस, टीएमसी, वाम दलों और शिवसेना के सांसदों ने सदन से वाकआउट कर दिया। भाजपा ने राज्यसभा के अपने सभी सदस्यों के लिए पांच से आठ अप्रैल तक के लिए व्हिप जारी किया है। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण का ये आखिरी हफ्ता है। ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि मोदी सरकार सात महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित करवाने का प्रयास करेगी। इन विधेयकों में दिल्ली नगर निगम संशोधन विधेयक और आपराधिक प्रक्रिया (पहचान) विधेयक भी शामिल हैं। पेट्रोल और डीजल के दामों में मंगलवार को भी बढ़ोतरी हुई है। पांच अप्रैल को पेट्रोल और डीजल के दाम में 80 पैसे प्रति लीटर का इजाफा हुआ है। बता दें कि बीते 15 दिनों में ईंधन की कीमतों में 13वीं बार इजाफा हुआ है। बीते 15 दिनों में ईंधन के दाम 9.20 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ चुके हैं।

संसद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बोले- मेरी आवाज थोड़ी ऊंची है लेकिन गुस्सा नहीं होता हूं

नई दिल्ली। सोमवार को लोकसभा में एक ऐसा मौका आया जब सदन के सदस्य अपनी हंसी नहीं रोक सके। दरअसल तृणमूल कांग्रेस के एक सदस्य ने गृह मंत्री को संबोधित करते हुए कहा कि जब आप 'दादा' बोलते हैं लगता है कि गुस्से में हैं। इस पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मुझे गुस्सा नहीं आता है। मेरी आवाज थोड़ी ऊंची है लेकिन कश्मीर के सवाल पर गुस्सा हो जाता हूं। शाह ने यह भी कहा कि मैं कभी किसी को डांटता नहीं हूं। आइये जानें क्या था पूरा वाकया केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सदन में दंड प्रक्रिया (शिनाख्त) विधेयक 2022 को रखते हुए कहा कि सरकार एक माडल कारागार मैनुअल बना रही है। इस पर तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगात राय ने कहा कि इस तरह के किसी मैनुअल का मसौदा उन्होंने नहीं देखा है। इस पर शाह ने कहा कि सरकार इसे अभी तैयार कर रही है। आप सरकार में होते तो जरूर देखते। शाह ने आगे कहा कि 'दादा' ने जो बातें उठाई है उस पर मैं जानकारी देना चाहूंगा। शाह के इतना कहते ही तृणमूल सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय ने शाह से कहा कि आप जब दादा (सौगत राय) बोलते हैं तो डांटकर बोलते हैं। इस पर सदन के सदस्य हंस पड़े। इसके जवाब में शाह ने मुस्कराते हुए कहा कि नहीं, नहीं मैं कभी किसी को नहीं डांटता हूं।

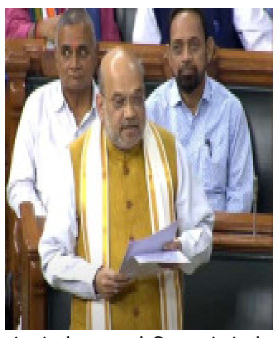

इस माह के अंत में भारत आएंगे ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन काफी अहम होने वाला है ये दौरा

नई दिल्ली। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन इस माह के अंत में भारत के दौरे पर आने वाले हैं। उनका ये दौरा काफी अहम होने वाला है। ये दौरा वैश्विक पटल पर भी काफी मायने रखता हे। उनका ये दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब यूरोप रूस से जंग के चलते कई तरह के संकट से घिरा हुआ है। रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग का असर पूरे विश्व पर ही देखने को मिल रहा है। फिलहाल निकट भविष्य में इसका कोई विकल्प भी दिखाई नहीं दे रहा है। बहरहाल, बोरिस जॉनसन के दौरे की ही यदि बात करें तो ये लगातार काफी समय से टलता जा रहा था। वर्ष जनवरी 2021 और अप्रेल 2021 में भी उनके भारत दौरे पर आने की अटकलें थीं लेकिन उस वक्त उनका दौरान देश और दुनिया में जारी कोरोना महामारी के चलते रद कर दिया गया था। 26 जनवरी को होने वाले समारोह में उहें चीफ गेस्ट बनाया गया था। इसमे शामिल न होने पर उन्होंने अफसोस भी जताया था। इसके बाद नवंबर 2021 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्काटलैंड के ग्लासगो में हुए यूएन क्लाइमेट चेंज कांफ्रेंस सम्स जॉनसन को भारत आने का न्यौता दिया था, जिसको उन्होंने स्वीकार भी कर लिया था। इस माह के अंत में होने वाला उनका ये दौरान वर्ष 2030 के रोडमैप को भी तैयार करने और उस पर आगे बढ़ने में सहायक साबित होने वाला है। ग्लासगो के सम्मेलन से इतर भारत और ब्रिटेन के बीच जिन द्विपक्षीय मसलों और संबंधों को आगे बढ़ाने पर बातचीत हुई थी, ये दौरा उसी कड़ी को आगे बढ़ाएगा। इस दौरान ग्रीन हाइड्रोजन, अक्षय ऊर्जा और क्लीन टेक्नोलाजी, रक्षा सहयोग में भी आगे बढ़ने की उम्मीद की जा रही है। वर्ष 2019 में पीएम का पद संभालने के बाद बोरिस जॉनसन का ये पहला भारत दौरा है। इससे पहले वो नवंबर 2012 में लंदन के मेयर की हैसियत से भारत आए थे। बोरिस जानसन के इस दौरे से पहले यदि रूस और यूक्रेन विवाद का कोई समाधान नहीं निकला और सीजफायर नहीं हुआ तो ये मुद्दा भी दोनों देशों के बीच होने वाली वार्ता में शामिल हो सकता है। बता दें कि भारत इस मुद्दे पर तटस्थ रुख अपनाए हुए हैं। भारत का कहना है कि इसका समाधान बातचीत के जरिए दोनों के हितों को ध्यान में रखते हुए निकाला जाना चाहिए। वहीं पश्चिमी देशों लगातार भारत पर इस बात का दबाव बना रहे हैं कि वो रूस पर लगाए प्रतिबंधों में उनका सहयोग करे।

महिला छात्रावास में प्रतियोगी छात्रा ने लगाई फांसी..........

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। बांदा की रहने वाली एक प्रतियोगी छात्रा ने ट्रैफिक चौराहा के पास प्राइवेट महिला छात्रावास में फांसी लगाकर जान दे दी। सूचना मिलने पर सीओ कर्नलगंज ने फॉरेंसिक टीम की मदद से कमरे की छानबीन की लेकिन पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। घटना की जानकारी मिलने पर उसके परिजन पहुंचे।आत्महत्या का कारण परिवारिक उलझन बताया जा रहा है। कर्नलगंज पुलिस ने बताया कि बांदा जिले के स्वराज नगर की रहने वाली दीक्षा मिश्रा विधि की पढ़ाई करने के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी। वह ट्रैफिक लाइन चौराहे के पास एसएन पांडेय के महिला छात्रावास में रहती थी। वह देर तक पढ़ाई करती थी और सुबह देर से जगती थी। रविवार को भी वह देर तक कमरे से बाहर नहीं निकली तो उसके पड़ोस में रहने वाली छात्रा ने कमरे का दरवाजा खटखटाया। अंदर से कोई आवाज नही आयी इसके बाद दरवाजे को तोड़ा गया। कमरे के अंदर दीक्षा फांसी के फंदे पर लटकी मिली। सूचना मिलने पर महिला छात्रावास की सभी लड़कियां सन्न रह गई। पुलिस ने बताया कि बांदा से छात्रा के परिजन भी पहुंच गए लेकिन आत्महत्या का कारण नहीं बता सके।

हत्यारोपी एस0डी0एम0 को गिरफ्तार और बर्खास्त करने की हुई माँग........

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। लालगंज तहसील के नायब नाजिर सुनील कुमार शर्मा की हत्या के आरोपी एसडीएम ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह यादव को गिरफ्तार करने एवं बर्खास्त करने की माँग तूल पकड़ती जा रही है।उत्तर प्रदेश मिनिस्ट्रीयल कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ प्रतापगढ़ के संयोजक सत्येंद्र प्रताप सिंह उर्फ शक्ती सिंह ने प्रशासन से माँग की है कि आरोपी एसडीएम ज्ञानेंद्र विक्रम सिंह यादव की तत्काल गिरफ्तारी की जाए।उन्हें सेवा से बर्खास्त किया जाए और मृतक सुनील कुमार शर्मा के आश्रितों को तत्काल सेवायोजित किया जाय। ऐसे अधिकारी ने जो एक कर्मचारी को पीट-पीटकर इसलिए मार डाला कि उसे अवैध रूप से कमाने में उसने उसकी मदद नहीं की। एसडीएम की बुरी तरह पिटाई से घायल सुनील कुमार के उपचार में भी जिला अस्पताल में लापरवाही की गई।आरोपी एसडीएम को बचाने के लिए उसके निधन की खबर भी छिपाने का प्रयास किया गया।आखिरकार कर्मचारियों के प्रदर्शन और विरोध को देखकर आरोपी एसडीएम ज्ञानेंद्र विक्रम सिंह यादव के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत 302, 308,323,452, 504 धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया लेकिन पुलिस ने आरोपी एसडीएम को गिरफ्तार करने की कोशिश नहीं की। फिर करें भी कैसे उच्च अधिकारी की बात है।साधारण आदमी हो छोटी भी धारा हो गिरफ्तारी भी न बनती हो तब भी पुलिस वाले उसे अपनी हिरासत में लेकर थाने पर बैठाए रखते हैं। जब एक अधिकारी या प्रभावशाली अपराधी हो तो उसके विरुद्ध पुलिस कुछ भी करने की हिम्मत नहीं कर पाती है।इस समय एसडीएम महोदय कहाँ हैं पुलिस कोई से कुछ लेना देना नहीं है। तमाम कर्मचारी संघ धरना प्रदर्शन कर रहे हैं।कार्यालयों पर तालाबंदी कर रहे हैं और आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी और बर्खास्तगी की माँग कर रहे हैं लेकिन पुलिस वाले हाथ पर हाथ रखकर बैठे हुए हैं।ऐसे हत्यारोपी एसडीएम की पूरे जिले में थू-थू हो रही है जिसने चंद कमाई के लिए अपने मातहत को पीट-पीट कर मार डाला।कर्मचारी संघ ने पुलिस प्रशासन को एक हफ्ते का समय देकर उसकी गिरफ्तारी की माँग की है अन्यथा की दशा में प्रान्तीय कार्यकारिणी के निर्देशानुसार अग्रिम आंदोलन करने की इस संघ ने चेतावनी दी है।

इलेक्ट्रिक बसों में होगी पास की सुविधा

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। विधानसभा चुनाव के पहले प्रदेश सरकार ने बड़ी संख्या में इलेक्ट्रिक बसों की सौगात दी थी। प्रयागराज में अब इलेक्ट्रिक

और स्मार्ट बसें दिख रही हैं। प्रयागराज के पांच रूटों पर इस समय करीब 25 बसें चल रही हैं, जिसमें हजारों की संख्या में रोज यात्री इससे यात्रा कर रहे हैं ऐसे यात्रियों की सहूलियत के लिए प्रयागराज सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज की ओर से अब मासिक पास की सुविधा दी जा रही है। यानी अब यात्रियों को बस में टिकट लेने की जरूरत नहीं होगी। महीने में एक बार यात्री मासिक पास बनवा सकते हैं। परिवहन विभाग के अफसरों के मुताबिक, 10 किलोमीटर की यात्रा पर यात्री को पास के लिए 580 रुपए जमा करना होगा। इसमें बुजुर्गों और बच्चों को छूट दी जाएगी। बुजुर्गों को यह पास 400 रुपए में तो 12 वर्ष तक के बच्चों के लिए 320 रुपए का मासिक बनवाना होगा। इसके लिए दूरी के हिसाब से किराया तय किया गया है। पास बनवाने के लिए सिविल लाइंस में काउंटर बनाया जाएगा, जहां आवेदन करना होगा।

सीओ फूलपुर की बैठक से विद्युत आपूर्ति में सुधार

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। फूलपुर कोतवाली में सीओ राम सागर द्वारा विद्युत विभाग के एसडीओ एवं जेई के साथ त्योहारों पर भरपूर बिजली देने संबंधी मीटिंग का असर दिखने लगा है। कटौती में कुछ हद तक सुधार दिखा तो लोगों में खुशी दौड़ी। ग्रामीण क्षेत्र में तेज हवाये तथा धूल भरी अन्धड़ कटौती का मुख्य कारण है। कई दिनों से लोगों को उससे भी राहत मिली। रात की अघोषित कटौती शाम 7:00 बजे रात 10:00 बजे ज्यादा तकलीफ दे थी। उसमें कुछ सुधार हुआ तो लोगों ने राहत की सांस ली।

आसमान से बरस रही आग तापमान पहुंचा 42 डिग्री पर

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। अप्रैल के प्रथम सप्ताह में ही आसमान से आग बरसने लगी। तापमान 40 पार कर गया। 10 बजे के बाद सड़कें बाजार सब सननटे में हो जाती है। मुस्लिम समाज का मुकद्दस माह रमजान तथा चैत्र नवरात्रि दोनों त्यौहार व्रत रखने के हैं। बच्चों और व्रती महिलाओं को ज्यादा दिक्कतें आ रही हैं। रोजेदारों को 4 बजे रात से 6 बजे शाम तक भूख प्यास सहन करना पड़ता है। यदि थूक भी गले के नीचे उतर जाए तो रोजा मकरूह हो जाता है। बताया जाता है। आने वाला पूरा माह और भी गर्म रहेगा। क्योंकि 3/4 मई तक रोजा चलेगा। फिर ईद होगी। बहरहाल अभी पानी का संकट नहीं है। परंतु बाजार में शाक भाजी फल आदि बहुत महंगे हो गए हैं।

फूलपुर देवनहरी में परीक्षा केंद्र के बाहर खड़ी बाइको में लगी आग, मचा हड़कंप

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। थरवई थाना अंतर्गत देवनहरी गांव स्थित श्री कृष्ण इंटर कॉलेज में जीव विज्ञान एवं गणित की परीक्षा दे रहे छात्रों की बाईके विद्यालय परिसर की बाउंड्री में खड़ी थी। परीक्षार्थी अपनी परीक्षा में मशगूल थे। इसी बीच 1:50 बजे अचानक अज्ञात कारणों से बाइकों के पास एकत्र खरपतवार में आग लग गई। देखते-देखते 6 बाईके तथा तीन साइकिले जलकर राख हो गई। पास पड़ोस वालों ने अपने संसाधनों से आग पर काबू पाया तब तक दमकल भी फूलपुर से आ गया। सूचना पर सीओ फूलपुर राम सागर तथा थाना थरवई के जिम्मेदार मौके पर पहुंचे। आवश्यक लिखा पढ़ी करके जली हुई बाईके व साइकिले थाने ले गए। इस घटना से काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही।

विद्युत विभाग की लापरवाही से किसान की फसल हुई खाक

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर।रस्तीपुर उग्रसेनपुर थाना सराय ममरेज में भीषण गर्मी के शुरू होते ही उसके परिणाम साफ नजर आने लगे हैं इसके साथ ही आग लगने पर फायर ब्रिगेड पर भी फोन किया लेकिन मौके पर गाड़ी नहीं पहुंची । वहीं इस घटना को एस डी एम हंडिया के संज्ञान में डाला गया है । जिससे किसान की फसल का उचित मुवाबजा मिल सकें

विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली की भी पोल खोलती हुई दिखाई दी है जो लापरवाही व्यक्त कर रही है वर्तमान समय में किसानों के खेतों में सूखी फसल खड़ी हुई है जिसके ऊपर से निकली विद्युत विभाग की हाईटेंशन लाइन अचानक टूट कर गिर गई और निकली चिंगारी से किसान की करीब 2 एकड़ के खेत में खड़ी हुई फसल जलकर पूरी तरह खाक हो गई जिस कारण उसके परिवार पर भरण पोषण का संकट उत्पन्न हो गया है इसके साथ ही विद्युत विभाग के अधिकारी कर्मचारियों की इस लापरवाही की भी पोल खुल गई जिसमें वह हमेशा मुस्तैदी से काम करने की बात करते हैं। बता दें कि आज सुबह ब्लॉक प्रतापपुर के ग्राम सभा रस्तीपुर में हाई वोल्टेज तार गिरने से छत्रपाल सिंह का गेहूं की करीब 2 एकड़ फसल जलकर खाक हो गई । ग्रामीण ने । आग लगते ही मौके पर मौजूद व आस पास के खेतों के किसान पानी लेकर आग बुझाने दौड़ पडे लेकिन आग इतनी तेजी से फैली की दस मिनट में दो एकड़ की फसल जलकर खाक हो गयी। जिससे लगभग 60-70 हजार की फसल का नुकसान हो गया। किसानों ने बड़ी मशक्कत से आग बुझा ली गयी। छत्रपाल सिंह ने पुलिस चौकी जंघई में विधुत विभाग की लापरवाही के खिलाफ तहरीर देकर कार्य वाही की मांग की है। बताया गया है कि पीड़ित किसान ने किसी तरह व्यवस्था कर अपने खेत में फसल बोई थी फसल काफी अच्छी थी और उसे उम्मीद थी कि इस बार उन्हें फसल का अच्छा पैसा मिलेगा और इससे परिवार का भरण पोषण भी चल जाएगा लेकिन ईश्वर को कुछ और ही मंजूर था फसल खाक होते ही परिवार पर भरण पोषण का संकट आ खड़ा हुआ है।

किसान नेता बब्लू दूबे ने की एम एल सी सुरेन्द्र चौधरी से मुलाकात

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। किसान नेता बब्लू दूबे ने किसानों की समस्याओं को लेकर एम एल सी सुरेन्द्र चौधरी से उनके आवास पर मुलाकात की। किसानों की समस्याओं पर चर्चा करते हुए

किसान नेता बब्लू दूबे को आश्वासन देते हुए सुरेन्द्र चौधरी ने कहा कि किसानों की समस्याओं का निस्तारण सर्वप्रथम कराया जाएगा। चाहे समस्या छोटी हो या बड़ी हो। किसान अपनी समस्या लेकर अधिकारियों व कर्मचारियों के पास जाएं। जो अधिकारी किसानों की समस्या को अनदेखा करेगा उनके ऊपर सख्त कार्यवाही होगी ये मेरा वादा है। किसान नेता बब्लू दूबे ने एम एल सी सुरेन्द्र चौधरी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि यदि ऐसे हमारे क्षेत्रीय नेता किसानों, मजदूरों व मजलूमों की मदत करते रहेंगे तो हम सब संगठन के लोग खुलेआम समर्थन करेंगे। और कंधे से कंधा मिलाकर साथ नजर आएंगे। ऐसे क्षेत्रीय नेता का हम सब हमेशा ऋणी रहेंगे। हम सब संगठन के लोग चाहते हैं कि माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी हमारे क्षेत्रीय लोक प्रिय नेता सुरेन्द्र चौधरी को मंत्रिमंडल में शामिल करके गंगापार की गरिमा बढाने का आशीर्वाद प्रदान करें।

महाकुंभ 2025 के दृष्टिगत जनपद की विभिन्न सड़कों के चौड़ीकरण एवं सुंदरीकरण हेतु मंडलायुक्त ने की समीक्षा बैठक

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। एक्सपर्ट एजेंसी को ट्रैफिक प्रैशर प्वाइंट्स का चिन्हीकरण कर विस्तृत कार्य योजना तैयार करने के निर्देश। चौराहों पर जलभराव से निजाद पाने हेतु टेबल टॉप डिजाइंस का भी पुनर्मूल्यांकन करने को कहा जिससे कि पानी की निकासी की बेहतर व्यवस्था बनाई जा सके। शहर के अधिक ट्रैफिक वाले इलाकों का सर्वे कर वहां पर इलेक्ट्रिक लाइन को अंडर ग्राउंड करने का भी सुझाव। महाकुंभ 2025 के दृष्टिगत जनपद की विभिनन सड़कों के चौड़ीकरण एवं सुंदरीकरण हेतु मंडलायुक्त श्री संजय गोयल ने कार्यालय स्थित त्रिवेणी सभागार में आज सभी संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने महाकुंभ 2025 के दृष्टिकोण से किन सड़कों का चौड़ीकरण एवं सुंदरीकरण किया जा सकता है इस पर चर्चा करते हुए प्रयागराज विकास प्राधिकरण के साथ काम कर रही एक्सपर्ट एजेंसी को जनपद के सभी ट्रैफिक प्रैशर प्वाइंट्स का चिन्हीकरण कर विस्तृत कार्य योजना तैयार करने के भी निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने कुंभ 2019 के दौरान किए गए कार्यों एवं स्मार्ट सिटी फेज़ 2 के अंतर्गत हो रहे कार्यों में आई समस्याओं से सीख लेते हुए आगामी महाकुंभ 2025 की तयारी करने को कहते हुए कार्य योजना में लैंड एक्विजिशन तथा डिजाइनिंग संबंधित सुझावों को भी जोड़ने को कहा है। इसके अतिरिक्त शहर के अधिक भीड़भाड़ वाले इलाकों में से किन-किन स्थानों पर इलेक्ट्रिक केबल को अंडर ग्राउंड किया जा सकता है इस पर भी सुझाव मांगा गया है। उन्होंने स्मार्ट सिटी फेज़ 2 के अंतर्गत हो रहे कार्यों की भी समीक्षा करते हुए सभी विकसित की जा रही सड़कों पर काम अनुमन्य डिजाइन के अंतर्गत किया गया है या नहीं यह भी सुनिश्चित करने को कहा है। इसके दृष्टिगत प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री अरविंद कुमार चौहान की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित करने के भी निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में बारिश के मौसम में चौराहों पर जलभराव से निजाद पाने हेतु टेबल टॉप डिजाइंस का भी पुनर्मूल्यांकन करने को कहा है जिससे कि पानी की निकासी की बेहतर व्यवस्था बनाई जा सके।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 15 अप्रैल 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

पंचकोशी परिक्रमा मार्ग पर हमेशा के लिए मांस,मछली,मुर्गा व अंडे की दुकानों को बंद करने के लिए सौंपा पत्रक

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

हरहुअ (वाराणसी)। हरहुआ क्षेत्र के भटौली निवासी रविन्द्र कुमार राय,अंजनी कुमार शर्मा जिलाध्यक्ष विश्व सनातन सेना वाराणसी,अरविंद सिंह चट्टान ने मुख्यमंत्री को सम्बोधित पत्रक नगर मजिस्ट्रेट वाराणसी को सौंपा। अरविंद सिंह चट्टान ने कहा कि हिन्दू पर्व व सनातन धर्म मांसाहार से विरत रहकर धार्मिक कर्मकांडों में विश्वास रखता है। यहीं आस्था हमारी जीवन शैली है। पंचकोशी परिक्रमा में इस तरह तेजी से बढ़ रहे मांस बिक्री से हिंदू कर्म प्रभावित होने लगा है।जहां लोग नगें पांव परिक्रमा करते हुए देवस्थानों में पूजन करते हैं,राम नाम ,शिव शिव का जाप करते हैं वहीं खुलेआम जीवों की हत्या कर मांस बेचना धर्म के प्रतिकूल है। सीएम को लिखित ज्ञापन देकर तत्काल हमेशा के लिए मांस,मछली, मुर्गा,अंडे की दुकानों को बंद कराने का निवेदन करते हुए नगर मजिस्ट्रेट वाराणसी को ज्ञापन सौंपा गया। सौंपने वालों में प्रमुख रूप से अरविंद सिंह चट्टान, अनिल कुमार सिंह सनातनी,राष्ट्रीय अध्यक्ष विश्व सनातन सेना, रविन्द्र कुमार राय ,अंजनी कुमार शर्मा, अनिल राय, राधा कृष्ण पांडेय व कृष्णा राय शामिल रहे।

मण्डलायुक्त प्रयागराज ने कान्हा गोशाला सहित कई संस्थाओं का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। मण्डलायुक्त प्रयागराज संजय गोयल ने जिलाधिकारी डॉ0नितिन बंसल, संयुक्त विकास आयुक्त मदन वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया के साथ कान्हा गोशाला रंजीतपुर चिलबिला, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मानधाता एवं पाइप पेयजल योजना गोपालापुर का निरीक्षण किया। कान्हा गोशाला रंजीतपुर चिलबिला के निरीक्षण के दौरान मण्डलायुक्त प्रयागराज ने वहां पर कार्यरत गोपालकों से गायों को दिये जाने वाले हरे चारे, भूसा एवं पेयजल की व्यवस्था की जानकारी ली। आयुक्त ने स्वयं गायों के खाने के स्थल का निरीक्षण किया तथा निर्देशित किया कि गायों के हरे चारे की स्थायी व्यवस्था की जाये ताकि उनका पर्याप्त पोषण हो सके। उन्होने कहा कि यदि गोशाला में पर्याप्त स्थान नही है तो हरे चारे के लिये बताया गया कि कान्हा गोशाला का निर्माण नगर विकास विभाग द्वारा रूपये 1 करोड़ 65 लाख की लागत से कराया गया है जिसमें भूसा गोदाम, 02 पशु शेड, पम्पिंग सेट एवं गोबर गैस प्लान्ट बनाया गया है। इस गोशाला में 106 नर व 94 मादा गोवंश संरक्षित है।गोशाला हेतु उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी एन0सी0 वर्मा एवं नगर पालिका की ओर से प्रभारी मिथलेश सिंह द्वारा सभी व्यवस्थायें सुनिश्चित की जाती है। आयुक्त ने निर्देशित किया कि गोवंश के संरक्षण में कोई भी लापरवाही न बरती जाये तथा शहर में यदि अभी भी गोवंश घूमते हुये पाये जायं तो उन्हें गोशाला में संरक्षित किया जाये। पाइप पेयजल योजना गोपालापुर के निरीक्षण में अधिशासी अभियन्ता जल निगम द्वारा बताया गया कि परियोजना की लागत 163.63 लाख रूपये है तथा दिनांक 23.09.2020 से कार्य आरम्भ हुआ है जिसे 30.04.2022 तक पूर्ण कर लिया जाना है। इस परियोजना में केन्द्र मानधाता के निरीक्षण में मण्डलायुक्त प्रयागराज ने लेबर रूम, जननी सुरक्षा वार्ड, पैथालॉजी, डाट्स सेन्टर, कोल्ड चेन रूम को देखा। पैथालॉजी के निरीक्षण के दौरान आयुक्त ए0एन0सी0 रजिस्टर, मलेरिया क्लीकि रजिस्टर, लैब रजिस्टर की गहनता से जांच की। लैब टेकनेशियन धनेश्वर चौहान द्वारा बायो एनालाइजर द्वारा की जा रही जांच के सम्बन्ध में अवगत कराया गया। उन्होने लैब टेकनेशियन द्वारा बनाये गये रिकार्ड को देखा तथा पीठ थपथपाकर उसके कायी की सराहना की। डाट्स सेन्टर के निरीक्षण के दौरान ट्रीटमेन्ट सुपरवाइजर वसीम खान द्वारा टीवी मरीजों के ईलाज के सम्बन्ध में सन्तोषजनक जानकारी देने एवं समुचित फालोअप न किये जाने पर नाराजगी व्यक्त की तथा मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि टीवी नियंत्रण जैसे कार्यक्रम में कर्मचारियों

किसानों से अनुबन्ध कर हरे चारे की आपूर्ति की व्यवस्था की जाये। उन्होने स्वावलम्बी व्यवस्था बनाने हेतु अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को निर्देशित किया तथा समाज के प्रबुद्ध वर्गी को गोशाला की व्यवस्था में सहभागी बनाने का निर्देश दिया। उन्होने गोशाला की समिति बनाकर उसका रजिस्ट्रेशन कराने का सुझाव दिया ताकि कोई भी व्यक्ति गोसेवा हेतु दान दे सके। आयुक्त ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को गोशाला में रह रहे जानवारों की ग्रेडिंग करने का निर्देश दिया। उन्होने कमजोर एवं दुधारू पशुओं को विशेष खान-पान व्यवस्था उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। आयुक्त ने अधिशासी अधिकारी को गोशाला में वर्मी कम्पोस्ट बनवाने एवं गोबर गैस प्लान्ट अविलम्ब चालू कराकर गोमूत्र एवं गोबर का व्यवसायिक उपयोग करने का निर्देश दिया ताकि गोशाला की आय बढ़ायी जा सके जिससे गोशाला को मॉडल गोशाला के रूप में निर्मित किया जा सके। आयुक्त ने मुख्य विकास अधिकारी से अपेक्षा करते हुये कहा कि स्थानीय स्तर पर गोशाला को कैसे बेहतर एवं जनोपयोगी बनाया जाये इसके लिये विभिन्न विभागों से समन्वय कर योजना क्रियान्वित की जाये। इस दौरान अधिशासी अधिकारी द्वारा एक पानी की टंकी, पम्पहाउस, नलकूप एवं 8.276 किमी0 पाइप लाइन बिछाया जाना है। इसके अन्तर्गत 188 घरों में कनेक्शन दिया जाना है। इससे 02 राजस्व ग्राम क्रमश गोपालापुर एवं परशुरामपुर के निवासियों को पेयजल सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी। आयुक्त ने पम्पिंग प्लान्ट चलवाकर देखा, पेम्पिंग सेट सोलर पम्प द्वारा संचालित किया जायेगा। आयुक्त ने ग्राम प्रधान रामपूजन पटेल से ग्रामीणों के पेयजल समस्या के बारे में जानकारी प्राप्त की। प्रधान द्वारा बताया गया कि गांव में लगभग 200 हैण्डपम्प पूर्व में ही लगे हुये है। आयुक्त ने हैण्डपम्प के रहते हुये इस पाइप पेयजल योजना की आवश्यकता के बारे में पूछा तो ग्राम प्रधान ने बताया कि गांव में पेयजल समिति बना ली गयी है अभी मात्र 40 कनेक्शन ही दिये गये है। आयुक्त ने अधिशासी अभियन्ता को निर्देशित किया कि सरकार द्वारा लगभग पौने दो करोड़ रूपये खर्च कर यह परियोजना आम जनता के लिये गाँव में लगायी जा रही है।परियोजना पूर्ण होने पर ग्राम पंचायत को सौप दी जायेगी जिसके रख-रखाव की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत की होगी। उन्होने ग्राम प्रधान से अपेक्षा करते हुये कहा कि ग्रामीणों में कनेक्शन लेने के प्रति जागरूकता पैदा करें ताकि इस पेयजल परियोजना का उद्देश्य पूरा हो सके। प्राथमिक स्वास्थ्य द्वारा की गयी लापरवाही से मरीजों का बहुत नुकसान होता है। उन्होने वसीम खान के कायी का परीक्षण कर उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर उनके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने का निर्देश दिया। मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद में टीवी नियंत्रण हेतु आवश्यक है कि डाट्स से जुड़े हुये सभी कमिन्यों के समुचित दायित्व की निरन्तर मानीटरिंग की जाये ताकि टीवी मरीजों को बेहतर उपचार प्राप्त हो सके।उनाहोंने आयुष्मान कार्ड बनाये जाने के सम्बन्ध में आयुष्मान मित्र से जानकारी ली तथा निर्देशित किया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में आने वाले सभी राजस्व ग्राम में अभियान चलाकर प्रत्येक परिवार का आयुष्मान कार्ड बनाया जाये। उन्होने कोल्ड चेन रूम का निरीक्षण कर उसमें रखी हुये वैक्सीन का निरीक्षण किया एवं टेम्प्रेचर बनाये रखने हेतु बिजली की उपलब्धता न रहने पर जनरेटर संचालित कर प्रत्येक दशा में प्रोटोकॉल के अनुसार टेम्प्रेचर बनाये रखने का निर्देश दिया। पी0एच0सी0 पर बायो मेडिकल वेस्ट के निस्तारण के सम्बन्ध में प्रभारी चि0अ0 अभिषेक सिंह द्वारा बताया गया कि बायो वेस्ट के निस्तारण हेतु प्रयागराज की एक फर्म द्वारा यहां से बायो वेस्ट उठाया जाता है तथा फर्म द्वारा उसका निस्तारण किया जाता है।

शत प्रतिशत हो नामांकन, गुणवत्तायुक्त व संस्कारयुक्त शिक्षा प्रदान की जाय-मण्डलायुक्त प्रयागराज..........

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। 06 से 14 वर्ष आयु के शत-प्रतिशत बच्चों का स्कूलों में शैक्षिक सत्र 2022-23 हेतु नामांकन कराये जाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रत्येक परिषदीय विद्यालय में वृहद स्तर पर स्कूल चलो अभियान संचालित किये जाने का निर्णय लिया गया है। जनपद में मंडलायुक्त प्रयागराज ने शत-प्रतिशत नामांकन एवं गुणवत्ता परक शिक्षा प्रदान करने की बात जनपद भ्रमण के दौरान कही इस महाअभियान का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा श्रावस्ती में आगाज किया गया जिसका सजीव प्रसारण जनपद के मॉडल प्राथमिक विद्यालय राजगढ़ विकास खण्ड सदर तथा परिषदीय विद्यालयों में बच्चों, अभिभावकों व जनसामान्य द्वारा एलईडी टीवी व प्रोजेक्टर पर देखा गया। स्कूल चलो अभियान का शुभारम्भ जनपद स्तर पर मॉडल प्राथमिक विद्यालय राजगढ़ में दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस अवसर पर कस्तूरबा गांधी मंगरौरा के बच्चों ने स्कूल चलो अभियान से सम्बन्धित मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया।स्कूल चलो अभियान के अन्तर्गत शैक्षिक सत्र 2021-22 में सर्वाधिक प्राथमिक विद्यालयों में नामांकन वृद्धि करने वाले जनपद के 2 प्रधानाध्यापकों क्रमशः सिद्धनाथ त्रिपाठी प्राथमिक विद्यालय अठेहा सांगीपुर एवं मो0 फरहीन उच्च प्राथमिक विद्यालय कटरा गुलाब सिंह मानधाता को

सम्मानित किया गया। इसी तरह शैक्षिक सत्र 2021-22 की परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले आर्यन गुप्ता सुत देवी प्रकाश गुप्ता प्रथम, साक्षी पुत्री सन्तोष जायसवाल द्वितीय एवं अदिति पाण्डेय पुत्री नन्दलाल पाण्डेय तृतीय स्थान (प्राथमिक विद्यालय श्रेणी में) एवं उच्च प्राथमिक स्तर पर आकांक्षा विश्वकर्मा पुत्री सुभाष विश्वकर्मा प्रथम, सारा सिंह पुत्री प्रदीप कुमार सिंह द्वितीय एवं अखिल यादव सुत दिनेश चन्द्र यादव तृतीय स्थान तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले स्वेता यादव पुत्री मिथिलेश यादव प्रथम, प्राची शुक्ला पुत्री राजेश कुमार शुक्ला द्वितीय एवं समीक्षा गौतम पुत्री कमलेश कुमार तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को उपस्थित अतिथिगणों द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर मण्डलायुक्त प्रयागराज ने कहा कि स्कूल चलो अभियान को जन-जन का अभियान बनाये। उन्होने सभी को शिक्षा का महत्व बताते हुये कहा कि राष्ट्र, समाज एवं उज्जवल भविष्य के निर्माण हेतु शिक्षा की अहम भूमिका होती है। उन्होने कहा कि कोई भी बच्चा शिक्षा से न छूटे इस उद्देश्य से हम सभी को मिलकर नई दिशा में कार्य करना है। उन्होने कहा कि यह जन-जन का अभियान है जिसके माध्यम से शिक्षा को हर घर तक पहॅुचाना हमारा मूल कर्तव्य है। आयुक्त ने निर्देशित किया कि हाउस होल्ड सर्वे के माध्यम से जनपद के समस्त 6 से 14 आयु वर्ग के बच्चों का शत् प्रतिशत नामांकन 30 अप्रैल 2022 तक कराया जाये तथा बच्चों को गुणवत्तायुक्त एवं संस्कारयुक्त शिक्षा प्रदान की जाये। इस मौके पर जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने जनपदवासियों से अपील करते हुये कहा कि स्कूल चलो अभियान मात्र शिक्षा विभाग का अभियान नही है बल्कि यह जनसामान्य का अभियान है जिसे जन आन्दोलन का रूप देकर बच्चों का शत प्रतिशत दाखिल विद्यालय में कराया जायेगा तथा बच्चों को बेहतर शैक्षणिक सुविधा देकर उनकी प्रतिभा को भी सामने लाया जायेगा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बताया गया कि स्कूल चलो अभियान के अन्तर्गत जनपद हेतु बच्चों के नामांकन का लक्ष्य 305000 निर्धारित किया गया है जिस हेतु तहसील, विकास खण्ड, न्याय पंचायत एवं विद्यालय स्तर पर आगामी 01 माह तक स्कूल चलो अभियान के अन्तर्गत अध्यापकों, बच्चों एवं उनके अभिभावकों को जागरूकता लाने के लिये वातावरण सृजित करने का प्रयास किया जायेगा। कार्यक्रम में माननीय विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य एवं मा0 विधायक रानीगंज डा0 आर0के0 वर्मा ने भी उपस्थित बच्चों एवं अभिभावकों को सम्बोधित किया एवं कार्यक्रम की समाप्ति पर बच्चों के उत्साहवर्धन हेतु प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रतिभाशाली बच्चों के साथ मध्यान्ह भोजन भी किया गया। बच्चो द्वारा आयुक्त, जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी की उपस्थिति में मनमोहक संवाद भी किया गया। इस अवसर पर पूरे कार्यक्रम का संयोजन मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान संयुक्त विकास आयुक्त मदन वर्मा, सहायक शिक्षा निदेशक प्रयागराज, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र सिंह, खण्ड विकास अधिकारी सदर, उपजिलाधिकारी सदर सौम्य मिश्र, एबीएसए सुधीर कुमार सिंह, शिक्षा विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, अध्यापक सहित पर्यावरण सेना के अजय क्रान्तिवारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संजीव शर्मा जिला प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) द्वारा किया गया।

बलिया में बीमार पत्नी को ठेले पर अस्पताल ले जाने की मामले मे उपमुख्यमंत्री ने कार्रवाई के साथ दिए जांच के आदेश

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया। जिले के चिलकहर में बीमार पतने को ठेले पर अस्पताल ले जाने के मामले का यूपी के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने संज्ञान लिया है।उन्होंने महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को मामले के जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के भी आदेश दिए इस बागी धरती का स्वास्थ्य विभाग सुविधाओं का दावा करने में भले ही पीछे नहीं रहता, लेकिन हकीकत इसके उलट है। थाना गडवार के अंतर्गत अंदौर गांव में आसपास उपचार की अच्छी व्यवस्था नहीं होने के चलते एक महिला को ठेले पर लाद कर अस्पताल ले जाना पड़ा। इंटरनेट मीडिया पर वायरल तस्वीर को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने संज्ञान लिया। महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को जांच कर रिपोर्ट देने के आदेश दिए हैं। उन्होंने जवाब मांगा है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा एम्बुलेंस की व्यवस्था क्यों नहीं की गई। सुकुल प्रजापति की पतने जोनिया देवी काफी दिनों से बीमार चल रही थी। बताया जाता है कि शुक्रवार को अचानक तबियत ज्यादा खराब हो गई। पतने को अस्पताल ले जाने के लिए सुकुल साधन खोजने लगे, लेकिन कोई साधन नहीं मिला। सरकारी एंबुलेंस को फोन इसलिए नहीं किया कि अक्सर फोन के बाद भी एंबुलेंस समय से नहीं पहुंचते। फिर भी कोशिश किया। उनके पास मोबाइल नहीं थी, इसलिए अंजान व्यक्ति से एंबुलेंस को कॉल करने की गुजारिश की, लेकिन उसने कॉल ही नहीं किया। अंततः वह घर के ठेले पर पतने को लाद कर लगभग पांच किमी दूर सवरूपुर मुख्य सड़क पर

पहुंचे यहां से निजी वाहन कर जिला अस्पताल में पहुंचे, लेकिन पतने की जान नहीं बच सकी। उन्हें पांच पुत्र हैं, जिसमें तीन बाहर नौकरी करते हैं। दो पुत्र बालिग हैं, जो अपने पिता के साथ ही रहते हैं। घर से नजदीक चिलकहर का अस्पताल है, लेकिन वहां इंतजाम नहीं होने के कारण उन्हें जिला अस्पताल का रूख करना पड़ा। यदि पास के अस्पताल में उपचार की अच्छी सुविधा होती तो महिला की जान बच भी सकती थी। फिलहाल अब मामले में स्वास्थ्य विभाग से रिपोर्ट तलब किया गया है। कई पहलुओं की जांच होगी। बेटी की अपने पिता को गोद में उठाए तस्वीर सामने आई थी डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक 31 मार्च, गुरुवार को लखनऊ के उस सिविल अस्पताल पहुंचे थे जहां से बुधवार को एक बेटी की अपने पिता को गोद में उठाए तस्वीर सामने आई थी। पिता को चलने-फिरने में तकलीफ थी। उन्हें अस्पताल लाई, लेकिन स्ट्रेचर नहीं मिला तो स्वयं बेटी पिता के लिए स्ट्रेचर बन गई। उसने अपने से दोगुना वजन के पिता को गोद में उठाकर डॉक्टर के पास ले गई। ब्रजेश पाठक ने इस मामले को संज्ञान में लिया और गुरुवार सुबह अस्पताल की वास्तविक स्थिति को जांचने पहुंचे थे।

गोरखनाथ मंदिर में हमला करने वाले मुर्तजा अब्बासी के मामले में एटीएस के निशाने पर आया जौनपुर जिला

जौनपुर। गोरखनाथ मंदिर में दो दिन पूर्व हथियार लेकर हमला करने का आरोपित मुर्तजा अब्बासी का जौनपुर कनेक्शन सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियों की सक्रियता शुरू हो गई है। मुर्तजा अब्बासी का जौनपुर जिले से संबंध खंगाल रही सुरक्षा एजेंसियों की एक टीम ने जिले में डेरा डाल रखा है। मुर्तजा के जौनपुर कनेक्शन मामले में पुलिस भी अब सक्रिय हो गई है। आतंकी कनेक्शन को लेकर एटीएस की ओर से मुर्तजा के करीबी लोगों के घर नगर के कटघरा मोहल्ले में पड़ताल की सूचना के बाद से ही सुरक्षा दस्ता सतर्क हो गया है। गोरखपुर जिले में के गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित गुरु गोरखनाथ परिसर में रविवार को हमला करने की नीयत से घुसे मुर्तजा अब्बासी का जौनपुर जिले में कनेक्शन सामने आया है। इस घटना में पकड़े गए मोहम्मद मुर्तजा अब्बासी को लेकर जौनपुर जिला अब एटीएस के निशाने पर है। टीम के सूत्रों के अनुसार मुर्तजा अब्बासी के कई करीबी रिश्तेदार और संबंधी जौनपुर जिले में रहते हैं। माना जा रहा है कि पूछताछ के दौरान मुर्तजा से मिले सूत्रों की पड़ताल करते हुए ही एटीएस की टीम ने जौनपुर जिले में दस्तक दी है। इस बाबत पुलिस सूत्रों का कहना है कि एटीएस की एक टीम जौनपुर पहुंचकर नगर के कटघरा मोहल्ला सहित तारापुर कालोनी आदि इलाकों में मुर्तजा के संबंध को खंगाल रही है। हालांकि, अभी तक न तो टीम और न ही मुर्तजा के संपर्क वालों का ही पता चल सका है। इस संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक नगर डाक्टर संजय कुमार ने बताया कि इस संबंध में अभी तक मुझे कोई जानकारी नहीं है। न ही पुलिस से इस संबंध में कुछ विवरण ही मांगा गया है। एटीएस आई है या नहीं, इसके बारे में भी कुछ नहीं बता सकता। वहीं जिले में एटीएस की मौजूदगी को लेकर एक दिन पूर्व से ही सुगबुगाहट बनी हुई थी।

मा0 जनप्रतिनिधिगणों एवं जिलाधिकारी की उपस्थिति में जनपद में स्कूल चलो अभियान का हुआ शुभारंभ

शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने का अभियान निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। शत-प्रतिशत बच्चों का स्कूलों में नामांकन कराए जाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रत्येक परिषदीय विद्यालय में वृहद स्तर पर 'स्कूल चलो अभियान' का सोमवार को माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा श्रावस्ती से शुभारम्भ किया गया। जनपद प्रयागराज के सभी 2852 परिषदीय विद्यालयों में बच्चों व शिक्षकों द्वारा स्कूल चलो कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया। उच्च प्राथमिक विद्यालय दांदूपुर विकास खण्ड चाका में स्कूल चलो अभियान का भव्य कार्यक्रम मा0 विधायक करछना श्री पीयूष रंजन निषाद, मा0 विधायक बारा श्री वाचस्पति, मा0 विधायक कोरांव श्री राजमणि कोल एवं जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की उपस्थिति में संपन्न हुआ। स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा श्रावस्ती में किए गए शुभारंभ कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखने के साथ ही अधिक नामांकन वाले विद्यालयों के ग्राम प्रधानों एवं शिक्षकों को सम्मानित किया गया तथा शत-प्रतिशत बच्चों का स्कूल में दाखिला कराए जाने के उद्देश्य से जागरूकता रैली का भी आयोजन किया गया है। ज्ञात हो कि स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत जहां भी स्कूलों में नामांकन कम

हुए हैं वहां पर डोर टू डोर सर्वे कर स्कूलों में शत-प्रतिशत नामांकन पर जोर दिया जाएगा। इस अवसर पर श्रावस्ती से लाइव माननीय मुख्यमंत्री जी के उद्बोधन को सभी ने सुना, जिसमें मा0 मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा एक मात्र ऐसा साधन है जो एक व्यक्ति के जीवन में परिवर्तन कर सकता है।राष्ट्र तभी विकसित होगा जब यहां का हर व्यक्ति, हर बच्चा शिक्षित होगा।उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा कि इस अभियान के तहत गांव या शहर के प्रत्येक बच्चे का स्कूल में नामांकन किया जाए।एक भी बच्चा छूटने न पाए। उन्होंने कहा कि सभी अभिवावक, अध्यापक गण इस अभियान को सफल बनाने का संकल्प लें और 30 अप्रैल तक घर-घर दस्तक देकर प्रत्येक बच्चे का बेसिक स्कूलों में नामांकन कराना सुनिश्चित कराएंगे। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत व नगर निकाय के सभी जनप्रतिनिधि गण इस अभियान का हिस्सा बनेंगे।इस मौके पर मा0 विधायक करछना श्री पीयूष रंजन निषाद ने अपने सम्बोधन में मा0 मुख्यमंत्री जी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि स्कूल चलो अभियान को सफल बनाने का आज हम सब लोग मिलकर संकल्प लें। कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहने पाये। मा0 मुख्यमंत्री जी के उद्देश्य को सफल बनाना है। शिक्षा ही ऐसा माध्यम है, जिससे देश के भविष्य को संवारा जा सकता है। मा0 विधायक बारा डॉ0 वाचस्पति ने कहा कि हमें सरकारी विद्यालयों को कॉन्वेंट स्कूलों से भी बढ़िया बनाना है, इसके लिए शिक्षकों को पूरे मनोयोग के साथ कार्य करना होगा। शिक्षकों के साथ-साथ बच्चों के अभिभावकों व अन्य बुद्धजीवियों, समाजसेवियों को इसके लिए आगे आना होगा। सबको मिलकर इस अभियान को सफल बनाना है। इस अवसर पर मा0 विधायक कोरांव श्री राजमणि कोल ने कहा कि बच्चों के जीवन को बनाने, संवारने में सबसे बड़ा योगदान गुरू का ही होता है। प्रदेश सरकार बच्चों की अच्छी शिक्षा के लिए सभी प्रयास कर रही है। स्कूलों को सभी प्रकार की सुविधाओं से आच्छादित किया जा रहा है। अब हम सब को यह प्रण करना है कि कोई भी बच्चा अपने शिक्षा के अधिकार से वंचित न रह जाये।जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने-अपने बच्चों को 'स्कूल चलो अभियान' से जोड़ें तथा इस अभियान में शतप्रतिशत बच्चों का नामांकन कराएं। उन्होंने कहा कि बिना शिक्षा के न तो गांव विकसित होगा और न ही शहर और देश का विकास होगा। कहा कि शत प्रतिशत बच्चों का नामांकन सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान बाहर से आए हुए आब्जर्वरों ने यहां के स्कूलों की बिल्डिंगों, फर्नीचर, सुविधाओं, बच्चों की लर्निंग लेबल की तारीफ की, इसके लिए जनपदों के शिक्षकों का मैं अभिनन्दन करना चाहता हूं। उन्होंने कार्यक्रम में बच्चों द्वारा की गयी प्रस्तुती की प्रशंसा करते हुए कहा कि बच्चों की प्रतिभा को देखकर बच्चों के अभिभावकों एवं उनके शिक्षक अभिनन्दन के पात्र है। उन्होंने शिक्षा कहा कि शिक्षा बेहतर करने का अभियान निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए। उन्होंने अपने कर्तव्यों का सही ढंग से निर्वहन करने वाले शिक्षकों को भी बधाई दी। कहा कि हमें बच्चों के टैलेंट को पहचानते हुए ही उसके अनुसार ही बच्चों की प्रतिभा को निखारना होगा। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम में बच्चों के द्वारा लगायें गये स्टॉलों का भ्रमण कर अवलोकन किया व इसकी प्रशंसा करते हुए बच्चों की प्रतिभा को सराहा।

घर का ताला तोड़कर चोरी

भावां (मीरजापुर)। मड़िहान क्षेत्र के जौगढ़ ग्राम निवासी अरविंद सिंह ने अतरौरा में सिचाई के लिए बोरिंग कराया है। इसको चलाने के लिए समबर्सिबल पंप लगवाया। शनिवार की रात चोर स्टेबलाइजर का क्वायल चुरा ले गए। इसी तरह रविंद्र सिंह के घर में सेंध लगाकर स्टेबलाइजर को तोड़कर फेंक दिया गया। सूर्यभान सिंह के घर का ताला तोड़कर छोड़ दिया। थानाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार राय ने बताया कि इस समय ज्यादातर कर्मचारी मेला ड्यूटी में व्यस्त है, फिर भी मामले की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी। भावां मड़िहान थाना क्षेत्र के एक गांव में किशोरी को शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने वाले आरोपित को बस स्टैंड से पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। लड़की को बरामद कर मां-बाप को सौंप दिया गया। क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़ित पिता ने यह आरोप लगाया गया था कि अटारी गांव निवासी मनोज चौहान पुत्र रमाशंकर ने बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले गया। इस संबंध में मड़िहान थानाध्यक्ष शैलेंद्र

कुमार राय ने बताया कि आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। जासं, भावां (मीरजापुर): मड़िहान क्षेत्र के जौगढ़ ग्राम निवासी अरविंद सिंह ने अतरौरा में सिचाई के लिए बोरिंग कराया है। इसको चलाने के लिए समबर्सिबल पंप लगवाया। शनिवार की रात चोर स्टेबलाइजर का क्वायल चुरा ले गए। इसी तरह रविंद्र सिंह के घर में सेंध लगाकर स्टेबलाइजर को तोड़कर फेंक दिया गया। सूर्यभान सिंह के घर का ताला तोड़कर छोड़ दिया। थानाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार राय ने बताया कि इस समय ज्यादातर कर्मचारी मेला ड्यूटी में व्यस्त है, फिर भी मामले की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

प्रतापगढ़ की घटना से कर्मचारियों में आक्रोश, प्रदर्शन

मीरजापुर। उत्तर प्रदेशीय मिनिस्ट्रियल कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ के तत्वाधान में कर्मचारियों ने सोमवार को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। प्रतापगढ़ के लालगंज में तैनात वरिष्ठ सहायक सुनील कुमार शर्मा की एसडीएम की पिटाई से उपचार के दौरान मृत्यु पर शोक व्यक्त किया। घटना पर कड़ी नाराजगी जताई। प्रदर्शन के उपरांत जिलाधिकारी को तीन सूत्रीय पत्रक सौंपकर कार्रवाई की मांग की। जिलाध्यक्ष बृजेश कुमार सिंह ने कहा कि प्रकरण में आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है लेकिन अभी तक गिरफ्तारी नहीं की गई है। इससे प्रदेश भर के कर्मचारियों में काफी आक्रोश है और अपने को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। जिला मंत्री पूनम सिंह ने कहा कि आरोपित एसडीएम ज्ञानेंद्र विक्रम सिंह को तत्काल गिरफ्तार कर सेवा से बर्खास्त किया जाए। मृत सुनील कुमार शर्मा के आश्रितों को एक करोड़ मुआवजा मिले और आश्रितों को तत्काल सेवा में लिया जाए। प्रदर्शन में संजय कुमार त्रिपाठी, अशोकधर दूबे, हौसला प्रसाद श्रीवास्तव, अनिल कुमार श्रीवास्तव, अनिल कुमार श्रीवास्तव, विनोद कुमार, बैरिस्टर सिंह, योगेश कुमार और अलमबदा सिंह आदि रहे।

राजस्थानी समाज ने निकाली मां गवरजा की शोभायात्रा

मीरजापुर। राजस्थानी समाज की ओर से आराध्य देवी मां गवरजा की भव्य शोभायात्रा सोमवार को निकाली गई। स्थानीय गुरु कृपा सुमंगल पैलेस बिनानी धर्मशाला धुंधी कटरा से शोभायात्रा शुरू हुई। यह यात्रा धुंधी कटरा, गुडहट्टी चौराहा, राम विलास चौराहा, बुढ़ेनाथ, सत्ती रोड, त्रिमुहानी, पक्का घाट, पसरहट्टा बाजार होते हुए वापस कटरा में समाप्त हुई, जहां मां की आरती की गई। भक्तजनों को प्रसाद वितरण किया गया। शहर कोतवाल अरविंद मिश्र पूरी टीम के साथ शोभायात्रा की सुरक्षा में लगे रहे। शोभायात्रा में शिव मूंदड़ा, दीपक बिहानी, राजेश, शत्रुघ्न केशरी, सुंदरलाल डाला, किशन राठी, प्रभु सिंह, शरद माहेश्वरी, प्रेम रतन डागा, काली चरण व्यास, राजकुमार खेतान, आशीष बुधिया, अतुल कोठारी सहित समाज के सदस्य शामिल रहे।

अग्निकांड में लाखों की क्षति, फसल जलकर राख

मीरजापुर। सोमवार को अग्निकांड की घटनाओं में लाखों का नुकसान हुआ। अगलगी की घटनाओं में कहीं किसानों की फसल तो कहीं रिहाइशी मड़हे जलकर राख हो गए। पटेहरा, भावां, कलवारी, जिगना एवं मड़वां

क्षेत्रों में हुई अगलगी की घटनाओं में पचास एकड़ से अधिक गेहूं की फसल जलकर नष्ट हो गई। हाईटेंशन तार के शार्ट सर्किट से निकली चिगारी से किसानों की मेहनत एक पल में राख हो गई। मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड कर्मियों संग ग्रामीणों व किसानों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। पटेहरा मड़िहान क्षेत्र के पड़िया कला के कुशियरिया में शार्ट सर्किट से लगी आग से किसान पतिराम पाल के खेत का गेहूं का बंडल राख हो गया। राजस्व निरीक्षक प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि क्षति की रिपोर्ट आने पर क्षतिपूर्ति दिलाई जाएगी। भावां गांव निवासी भृगुनाथ सिंह की एक बिस्वा गेहूं की फसल जल गई। इसी तरह कलवारी मड़िहान अंतर्गत गोपालपुर फार्म के जंगल में अज्ञात कारणों से आग लग गई। ग्रामीणों ने दमकल विभाग से संपर्क साधने की कोशिश की लेकिन संपर्क नहीं हो पाया। जंगल में लीज पर कोलकाता की एक कंपनी ने भूमि लेकर आम, अमरूद, जामुन व अन्य कीमती पौधों को लगाया था, जो राख हो गई। तीन रिहाइशी घर जले, गृहस्थी राख जिगना क्षेत्र के गौरा गांव स्थित हरिजन बस्ती निवासी हिच्छू अपने परिवार संग खेतों में फसलों की कटाई करने गए थे। अचानक आग की लपटें उठती देख शोर मचाते हुए छप्पर से बहू कुसुम बाहर निकल भागी। फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंची तब तक कर्मियों ने आग पर काबू पाया। तीनों की गृहस्थी के साथ अनाज, कपड़ा, बर्तन राख हो गया। मड़वां क्षेत्र के गरौली, महामलपुर, अखितयारपुर, सेमरी, अगियाबीर आदि गांवों में हाईटेंशन तार के शार्ट सर्किट से लगभग पचास एकड़ गेहूं की फसल राख हो गई। इसमें रवि प्रकाश पटेल का दो एकड़, राधेश्याम यादव का एक बीघा, लालबिहारी बिंद का सवा बीघा, रामरति पटेल का दो बीघा, संतराम का एक बीघा, प्रताप कुमार का डेढ़ बीघा, अमिन्देवी का 15 बिस्वा, उर्मिला सिंह का एक बीघा, गीता देवी का डेढ़ बीघा, रूपनरायन समेत 40 किसानों के पचास एकड़ फसल नष्ट हो गई। अहरौरा क्षेत्र के मझुली गांव स्थित नंदू शर्मा, बिदु शर्मा, शंभू शर्मा, गोविंद शर्मा व हरिश्चंद्र सिंह का पांच बीघा गेहूं की फसल जलकर नष्ट हो गया। विद्या शंकर सिंह, कल्पनाथ पटेल, विजय लक्ष्मी, राम निहोर का दस बीघा से अधिक का फसल नष्ट हो गया। इसी क्रम में लालगंज क्षेत्र के जयकर कलां ग्राम पंचायत के केवुनिया मौजा निवासी जगलाल की फसल राख हो गई। अग्निशमन कर्मियों की तहरीर परकार्रवाई मड़िहान वन क्षेत्र के जंगल में दूसरे दिन सोमवार को भी आग धधकती रही और धीरे-धीरे आग तहसील के आसपास भी मंडराने लगी। मौके पर पहुंचे दो पुलिस कर्मियों ने तीन लोगों को हिरासत में ले लिया। अग्निशमन कर्मी की तहरीर पर मड़िहान पुलिस ने सोमवार को तीन लोगों का चालान कर दिया।

महिला ने एसपी से की न्याय की गुहार

मीरजापुर। हलिया थाना क्षेत्र के दुर्जनीपुर गांव निवासी सीमा ने सोमवार को पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई। बताया कि पति ट्रक चालक हैं। वह ट्रक लेकर बाहर गए हैं। दो माह की बेटी का इलाज कराने प्रयागराज गई थी। इसी दौरान गांव के कुछ लोगों ने घर में घुसकर चोरी कर ली। इसकी शिकायत करने पर पुलिस ने भगा दिया। उधर आरोपितों ने घर पर धावा बोलकर मारपीट की। महिला ने एसपी से मामले की जांच कराकर कार्रवाई की मांग की। छात्राओं को टैबलेट वितरण आज अदलहाट लालता सिंह राजकीय महिला सनतकोत्तर महाविद्यालय की एमए फाइनल की छात्राओं को पांच अप्रैल को सुबह 10.30 बजे टैबलेट का वितरण किया जाएगा। प्राचार्य डा. नीलम टंडन ने बताया कि छात्रा अपने आधार कार्ड एवं महाविद्यालय परिचय पत्र के साथ उपस्थित होकर अपना टैबलेट प्राप्त करें। (जासं) छात्राओं को टैबलेट वितरण आज अदलहाट : लालता सिंह राजकीय महिला सनतकोत्तर महाविद्यालय की एमए फाइनल की छात्राओं को पांच अप्रैल को सुबह 10.30 बजे टैबलेट का वितरण किया जाएगा। प्राचार्य डा. नीलम टंडन ने बताया कि छात्रा अपने आधार कार्ड एवं महाविद्यालय परिचय पत्र के साथ उपस्थित होकर अपना टैबलेट प्राप्त करें। मीरजापुर : हलिया थाना क्षेत्र के दुर्जनीपुर गांव निवासी सीमा ने सोमवार को पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई। बताया कि पति ट्रक चालक हैं। वह ट्रक लेकर बाहर गए हैं। दो माह की बेटी का इलाज कराने प्रयागराज गई थी। इसी दौरान गांव के कुछ लोगों ने घर में घुसकर चोरी कर ली। इसकी शिकायत करने पर पुलिस ने भगा दिया। उधर आरोपितों ने घर पर धावा बोलकर मारपीट की। महिला ने एसपी से मामले की जांच कराकर कार्रवाई की मांग की।

कक्ष निरीक्षकों के सजगता से पकड़ा गया मुन्ना भाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
शैलेन्द्र कुमार

करमा (सोनभद्र)। मध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित हाइस्कूल विज्ञान विषय की परीक्षा में सोमवार को दुसरे के स्थान पर बैठकर परीक्षा दे रहा मुन्न भाई को कक्ष

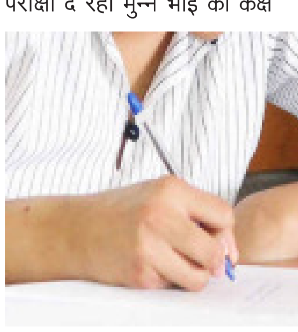

निरीक्षकों की सजगता से पकड़ लिया गया।केंद्र व्यवस्थापक द्वारा कर्मा थाना को सूचित कर पुलिस के हवाले कर दिया।ज्ञात हो कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की हाई स्कूल की विज्ञान विषय की परीक्षा में सोमवार को एक मुन्न भाई हेमराज पुत्र नार सिंह निवासी खोराडिह थाना अहरौरा जिला मिर्जापुर अपने ही गांव के राजू चौहान पुत्र भिखारी लाल कि जगह परीक्षा देते पकड़ा गया।राजकीय इंटर कॉलेज खैरपुर में हाई स्कूल की परीक्षा में परीक्षार्थी की जगह बैठकर परीक्षा दे रहा था।विद्यालय प्रशासन ने उसे पकड़ा और करमा थाना पुलिस को घटना की जानकारी दी।पुलिस ने मुन्न भाई को पकड़ लिया है।इस मामले में पुलिस ने कालेज प्रशासन की ओर से दी गई तहरीर पर धारा 419 परीक्षा अधिनियम 6/8केतहत मुक़दमा दर्ज कर लिया है।

श्रीझूलेलाल की निकली भव्य शोभायात्रा, उमड़े भक्त

मीरजापुर। स्टेशन रोड स्थित मोटवानी भवन में पूज्य श्रीसिंधी पंचायत के तत्वाधान में श्रीझूलेलाल जयंती हर्षोल्लासपूर्वक मनाई गई। चिरगांव झांसी से आए कलाकारों ने भजन कीर्तन से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। अध्यक्ष हरिशंकर मोटवानी ने श्रीझूलेलाल जयंती पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनके बताए रास्ते पर चलने का आह्वान किया। भंडारे का आयोजन किया गया, इसमें भक्तों ने भक्तिभाव से प्रसाद को ग्रहण किया। भंडारा के बाद श्रीझूलेलालजी की भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। शोभायात्रा स्टेशन रोड से आरंभ होकर नगर के मार्गों से होते हुए नारघाट गंगा नदी तट पर समाप्त हुई। इस अवसर पर जगदीश, महेश, गोपीनाथ, विशाला दास, अशोक कुमार, रवि कुमार, मूलचंद्र, सुरेंद्र कुमार आदि शोभायात्रा में शामिल हुए।

गड़बड़ाधाम में चन्द्रघंटा स्वरूप का दर्शन कर भक्त निहाल

गड़बड़ाधाम (मीरजापुर)। हलिया विकास खंड के गड़बड़ाधाम में चैत्र नवरात्र के तीसरे दिन गणगौर पूजन होने के कारण काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। मां शीतला देवी का दर्शन पूजन कर निहाल हुए। भोर से ही लाइनों में लगी भीड़ तेज धूप में भी डटी रही। मंदिर का गर्भगृह कपाट खुलते ही श्रद्धालु दर्शन के लिए उमड़ पड़े। मंदिर के किनारे स्थित सेवटी नदी में आस्था की डुबकी लगाकर कतारबद्ध श्रद्धालु अपनी पारी का इंतजार करते दिखे। नवरात्र का सोमवार होने के कारण श्रद्धालु भारी संख्या में मां शीतला धाम पहुंचे। मंगला आरती के बाद कपाट खुलते ही श्रद्धालुओं ने मां शीतला के चंद्रघंटा स्वरूप का दर्शन पूजन कर निहाल हो उठे। सिर पर जवारी लेकर महिला व पुरुष भक्तों का दल भी आकर्षण का केंद्र रहा। सुरक्षा के मुकम्मल इंतजाम रहे। परंपराओं के अनुसार जब किसी भक्त की मान्यता पूरी होती है तो वह अपने संकल्प के अनुसार सिर पर जवारी रखकर मां के दर्शन के लिए जाता है और वहीं पर जवारी के साथ हलुआ पूड़ी अथवा रोट(मीठी पूड़ी) चढ़ाई जाती है। प्रशासनिक उपेक्षा झेल रहे इस मेले में सुविधाओं का सर्वथा से ही अभाव रहता है लेकिन श्रद्धालुओं की आस्था भारी पड़ती है। मंदिर पुजारी रजनेश पांडेय ने बताया कि चैत्र नवरात्र का तीसरा दिन एवं सोमवार होने के कारण लगभग 55 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन पूजन कर मां शीतला देवी के चरणों में शीश नवाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ द्वारा स्कूल चलो अभियान का सीधा प्रसारण किया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
शैलेन्द्र कुमार

सोनभद्र। सरकारी स्कूलों में अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन हो इसके लिए चार अप्रैल का शुभारंभ जिलाधिकारी मुख्य विकास अधिकारी तथा जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा मां सरस्वती के मूर्ति पर माल्यार्पण कर किया गया। बेसिक शिक्षा अधिकारी खंड

से स्कूल चलो अभियान चलाया गया है अभियान का शुभारंभ सीएम योगी श्रावस्ती जिले से किए।जिसका सीधा प्रसारण विकास खंड राबर्ट्सगंज के कम्पोजिट विद्यालय चरका टोला मुसही मे किया गया था। कार्यक्रम शिक्षा अधिकारी रमाकांत राम के द्वारा राबर्ट्सगंज ब्लाक अन्तर्गत मुसही स्कूल मे एलसीडी और इंटरनेट की व्यवस्था किया गया था। जहां पर मुख्यमंत्री द्वारा स्कूल चलो अभियान का सीधा प्रसारण देखने की संपूर्ण व्यवस्था कराई गई थी।तथा यहां पर आए हुए अध्यापकों में शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोच्च कार्य करने वाले अध्यापकों एवं अध्यापिकाओं को एवं इस स्कूल चलो अभियान के कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोगी प्रधानों में कुरा के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि जितेंद्र बाल्मीकि एवं हिन्दुवारी के ग्राम प्रधान को जिलाधिकारी के द्वारा सम्मानित किया गया। वहीं जिले के बिद्यालयो में सबसे ज्यादा अंक अर्जित करने वाले बच्चों को जिलाधिकारी द्वारा सम्मानित भी किया गया। स्कूल चलो अभियान में शामिल जिला पंचायत अध्यक्ष राधिका देवी, जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अमित पाल शर्मा, दुद्धी बिधायक रामदुलारे गोंड़, सदर विधायक भूपेश चौबे ,जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी खण्ड शिक्षा अधिकारी रमाकांत राम , जिले के कईयों प्राथमिक विद्यालय एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के अध्यापक अध्यापिकाएं एवं छात्र उपस्थित रहे।

प्रेमी की तलाश में आई किशोरी चलती ट्रेन से गिरी, घायल

मीरजापुर। स्थानीय रेलवे स्टेशन के अप लाइन पर चलती ट्रेन से किशोरी गिर गई जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। मौके पर पहुंची आरपीएफ व जीआरपी टीम ने तत्काल रेलवे चिकित्सक वीके सिंह की टीम को बुलाया। यहां प्राथमिक उपचार करने के बाद चिकित्सक ने मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया। दूसरे दिन आरपीएफ ने किशोरी को रेलवे चाइल्ड लाइन की सदस्य नीलू दुबे, नितिन भार्गव व अर्शलान को देखभाल करने के लिए सौंप दिया। देवरिया जनपद के बरियापुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पंद्रह वर्षीया किशोरी अपने प्रेमी की तलाश में दुर्ग नौतनवां एक्सप्रेस से मीरजापुर आई। प्लेटफार्म तीन पर ट्रेन जैसे ही रुकने लगी तभी किशोरी कूद गई और वह घायल हो गई। मौके पर आरपीएफ एसआइ आशुतोष त्रिपाठी, कांस्टेबल मंगलदेव, महिला कांस्टेबल ज्योति व जीआरपी की महिला कांस्टेबल बबिता ने किशोरी को ट्रैक से उठाकर बचा लिया। रेलवे चिकित्सकों की टीम ने उसके सिर में लगी चोट देख प्राथमिक उपचार करने के बाद रेफर कर दिया। आरपीएफ प्रभारी रजनीश राय ने बताया कि किशोरी के बताए गए पते और मोबाइल नंबर से स्वजन को सूचित कर दिया गया है।

विंध्य पर्वत व मां गंगा के मिलन स्थल पर आस्था का संगम

मीरजापुर। चैत्र नवरात्र के तीसरे दिन सोमवार को मां विंध्यवासिनी के चौखट पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। मां विंध्यवासिनी के जयकारे से विंध्यधाम गुंजायमान हो उठा। हर तरफ आस्था का ऐसा अलौकिक छटा बिखेर रहा था। मां विंध्यवासिनी का दर्शन पाकर श्रद्धालु अभिभूत हो उठे। घंटा-घड़ियाल, शंख, नगाड़ा और माता के जयकारे से विंध्यधाम भक्तिमय रहा। भोर की मंगला आरती के को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। मां अष्टभुजा व मां काली का दर्शन कर त्रिकोण परिक्रमा नवरात्र के समय दूर-दराज से आने वाले भक्त मां विंध्यवासिनी के साथ मां अष्टभुजा व मां काली

सैलाब उमड़ा कि मानो श्रद्धालुओं को मां ने विंध्यधाम बुलाया हो। सभी श्रद्धालु आस्था में लीन दिखे। कोई गोद में बच्चे को लेकर आस्था के पथ बढ़ते जा रहा था तो कोई प्रसाद लेकर मंदिर की ओर चल पड़ा था। तल्ख धूप की परवाह किए बगैर नर-नारियों ने माता के दरबार में बढ़े ही श्रद्धा-भाव से मत्था टेका। मां विंध्यवासिनी के चंद्रघंटा स्वरूप का दर्शन कर मंगलकामना की। विंध्य पर्वत व मां गंगा के मिलन स्थल पर मानो आस्था का संगम उमड़ पड़ा। तरह-तरह के फूलों से मां विंध्यवासिनी का भव्य श्रृंगार बाद दर्शन-पूजन का दौर शुरू हुआ, जो अनवरत जारी रहा। गलियों में कतारबद्ध श्रद्धालु माता का जयघोष करते बढ़ते जा रहे थे। किसी ने झांकी से तो किसी ने गर्भगृह पहुंचकर मां के श्रीचरणों में मत्था टेका। मंदिर की छत पर अनुष्ठान-पूजन का भी दौर चलता रहा। गंगा घाटों पर भी स्नान करने के लिए सननार्थियों का तांता लगा रहा। मां विंध्यवासिनी का दर्शन-पूजन करने के बाद महिलाओं और पुरुषों ने विंध्याचल की गलियों में सजी दुकानों से जरूरत की वस्तुएं खरीदी। दर्शनार्थियों की भारी भीड़ का दर्शन जरूर करते हैं। मां विंध्यवासिनी का दर्शन-पूजन करने के बाद श्रद्धालु विंध्य पर्वत पर विराजमान मां अष्टभुजा व मां काली के दर्शन को पैदल ही निकल पड़े। पैदल पहाड़ की ऊंचाई चढ़कर मंदिर पहुंचकर श्रद्धालुओं ने मां काली के दर्शन किए, फिर अष्टभुजा मंदिर की ओर बढ़े। श्रद्धालु परिवार व साथियों संग पैदल मस्ती करते चल रहे थे। मंदिर पहुंचकर श्रद्धालुओं ने नारियल, चुनरी, माला-फूल के साथ मां अष्टभुजा का दर्शन किया और त्रिकोण परिक्रमा पूरी की।

अधेड़ महिला ने शास्त्री पुल से गंगा में लगाई छलांग

चील्ह मीरजापुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के शास्त्री पुल से सोमवार की शाम एक अधेड़ महिला ने

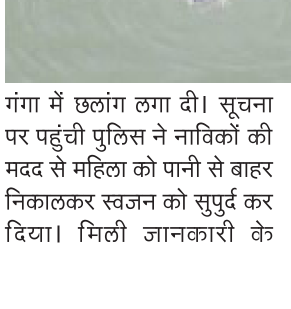

गंगा में छलांग लगा दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने नाविकों की मदद से महिला को पानी से बाहर निकालकर स्वजन को सुपुर्द कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार उर्मिला मोदनवाल -- 45 वर्ष पतनी पप्पू मोदनवाल रविवार की रात लगभग साढ़े आठ बजे शास्त्री पुल से गंगा में छलांग लगा दी। यह देख राहगीरों ने पुलिस को सूचित किया। सूचना पाकर चील्ह थाना प्रभारी अजीत कुमार श्रीवास्तव मौके पर पहुंचे और नाविकों की मदद से उसे गंगा से बाहर निकाला। घटना की जानकारी चील्ह पुलिस ने स्वजन को दी। स्वजन रात करीब साढ़े 11 बजे चील्ह थाने पहुंचे तो पुलिस ने उर्मिला को सौंप दिया।

गड़बड़ाधाम में चन्द्रघंटा स्वरूप का दर्शन कर भक्त निहाल

गड़बड़ाधाम (मीरजापुर)। हलिया विकास खंड के गड़बड़ाधाम में चैत्र नवरात्र के तीसरे दिन गणगौर पूजन होने के कारण काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। मां शीतला देवी का दर्शन पूजन कर निहाल हुए। भोर से ही लाइनों में लगी भीड़ तेज धूप में भी डटी रही। मंदिर का गर्भगृह कपाट खुलते ही श्रद्धालु दर्शन के लिए उमड़ पड़े। मंदिर के किनारे स्थित सेवटी नदी में आस्था की डुबकी लगाकर कतारबद्ध श्रद्धालु अपनी पारी का इंतजार करते दिखे। नवरात्र का सोमवार होने के कारण श्रद्धालु भारी संख्या में मां शीतला धाम पहुंचे। मंगला आरती के बाद कपाट खुलते ही श्रद्धालुओं ने मां शीतला के चंद्रघंटा स्वरूप का दर्शन पूजन कर निहाल हो उठे। सिर पर जवारी लेकर महिला व पुरुष भक्तों का दल भी आकर्षण का केंद्र रहा। सुरक्षा के मुकम्मल इंतजाम रहे। परंपराओं के अनुसार जब किसी भक्त की मान्यता पूरी होती है तो वह अपने संकल्प के अनुसार सिर पर जवारी रखकर मां के दर्शन के लिए जाता है और वहीं पर जवारी के साथ हलुआ पूड़ी अथवा रोट(मीठी पूड़ी) चढ़ाई जाती है। प्रशासनिक उपेक्षा झेल रहे इस मेले में सुविधाओं का सर्वथा से ही अभाव रहता है लेकिन श्रद्धालुओं की आस्था भारी पड़ती है। मंदिर पुजारी रजनेश पांडेय ने बताया कि चैत्र नवरात्र का तीसरा दिन एवं सोमवार होने के कारण लगभग 55 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन पूजन कर मां शीतला देवी के चरणों में शीश नवाए।

बैंगलोर के खिलाफ इन खिलाडियों के सहारे जीत की हैट्रिक लगा सकता है राजस्थान

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन की शुरुआत राजस्थान ने दमदार तरीके से की है। टीम अब तक दो मैच खेली है और दोनों में जीत दर्ज कर प्वाइंट्स् टेबल पर शीर्ष पर काबिज है। टीम की बल्लेबाजी ने बाकी टीमों के

गेंदबाजों के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी है। टीम के ओपनर जोस बटलर जबरदस्त फार्म में हैं। उन्होंने पहले मैच में 35 तो दूसरे मैच में 68 गेंदों पर 100 रन की पारी खेली थी। वहीं कप्तान सैमसन ने पहले मैच में 55 तो दूसरे मैच में भी 21 गेंदों पर 30 रन की तेज-तर्रार पारी खेली थी राजस्थान टीम की ओपनिंग जोड़ी- टीम के पास यशस्वी जायसवाल और जोस बटलर के रूप में दो बेहतरीन बल्लेबाज हैं। जायसवाल ने शुरुआत तो अच्छी की है लेकिन उनके बल्ले से बड़े स्कोर की दरकार टीम को अब भी है वहीं दूसरी तरफ बटलर बेहतरीन फार्म में हैं। वे इसी फार्म को आरसीबी के खिलाफ भी जारी रखना चाहेंगे। मध्यक्रम में राजस्थान- ओपनिंग के साथ-साथ टीम का मध्यक्रम बेहद स्ट्रोंग है। संजू सैमसन, देवदत्त पाडिक्कल और हेटमायर ने पिछले दोनों मैचों में टीम के लिए बेहतरीन काम किया है। सैमसन ने पहले मैच में 55 तो दूसरे मैच में 30 रनों की तेज पारी खेली है। इसके अलवा हेटमायर ने फिनिशर के तौर पर बेजोड़ काम किया है। पिछले मैच में भी जब टीम को जरुरत थी तो उन्होंने 14 गेंदों पर 35 रन की पारी खेली थी। गेंदबाजी में राजस्थान- टीम की गेंदबाजी भी ट्रेंट बोल्ट और प्रसिद्ध कृष्णा के रूप में मजबूत है। इसके अलावा पिछले मैच में सीजन का पहला मैच खेल रहे नवदीप सैनी ने भी मुंबई के खिलाफ 2 विकेट झटके थे। स्पिन गेंदबाजी के रूप में टीम के पास रविचंद्रन अश्विन और युजवेंद्र चहल के तौर पर बेहतरीन जोड़ी मौजूद है। जोस बटलर, यशस्वी जायसवाल, संजू सैमसन (कप्तान और विकेटकीपर), देवदत्त पाडिक्कल, शिमरोन हेटमायर, रियान पराग, रविचंद्रन अश्विन, नवदीप सैनी, ट्रेंट बोल्ट, युजवेंद्र चहल, प्रसिद्ध कृष्णा।

केएल राहुल ने ऊ20 क्रिकेट में लगाया 50वां अर्धशतक, दिग्गज भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में हुए शामिल

नई दिल्ली। आइपीएल 2022 के 12वें लीग मुकाबले में लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान केएल राहुल ने हैदराबाद के खिलाफ काफी अच्छी पारी खेली और टीम के स्कोर को 169 रन तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई। केएल राहुल ने संतुलित व संयम से

बल्लेबाजी करते हुए 50 गेंदों पर 68 रन की पारी खेली और इस दौरान एक छक्का व 6 चौके लगाए। केएल राहुल को दीपक हुडा से भी अच्छा साथ मिला और उन्होंने भी 33 गेंदों पर 3 छक्के व 3 चौकों की मदद से 51 रन की पारी खेली। केएल राहुल की इस पारी ने एक तरफ जहां टीम को संभालने का काम किया तो वहीं दूसरी तरफ उन्होंने टी20 क्रिकेट में खास उपलब्धि भी हासिल कर ली लखनऊ के कप्तान केएल राहुल ने हैदराबाद के खिलाफ 68 रन की पारी खेली और ये उनके टी20 क्रिकेट करियर का 50वां शतक साबित हुआ। भारत की तरफ से टी20 क्रिकेट में 50 या फिर उससे ज्यादा शतक लगाने का कमाल केएल राहुल से पहले पांच बल्लेबाजों ने किया है। इन बल्लेबाजों में विराट कोहली, रोहित शर्मा, शिखर धवन, गौतम गंभीर और सुरेश रैना शामिल हैं। अब केएल राहुल भी इन दिग्गज भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में शुमार हो गए हैं और भारत की तरफ से टी20 क्रिकेट में 50 अर्धशतक लगाने वाले छठे बल्लेबाज बन गए। भारत की तरफ से टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने के मामले में पहले नंबर पर विराट कोहली हैं जिन्होंने 75 बार ये कमाल किया हा तो वहीं 69 अर्धशतक के साथ रोहित शर्मा दूसरे नंबर पर मौजूद हैं। इस मामले में शिखर धवन तीसरे नंबर पर हैं और उन्होंने अब तक 63 अर्धशतक लगाए हैं। जबकि 53 अर्धशतक के साथ गौतम गंभीर चौथे स्थान पर मौजूद हैं। इस लिस्ट में सुरेश रैना पांचवें नंबर पर हैं और उनके अर्धशतकों की संख्या 51 है। 75 - विराट कोहली 69 - रोहित शर्मा 63 - शिखर धवन 53 - गौतम गंभीर 51 - सुरेश रैना 50 - केएल राहुल।

आरसीबी के खिलाफ जीत की हैट्रिक लगाने के इरादे से उतरेगा राजस्थान

मुंबई। अपने पहले दोनों मैच जीतकर आत्मविश्वास से ओतप्रोत राजस्थान रायल्स की टीम आइपीएल में मंगलवार को रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ होने वाले मैच में जीत की हैट्रिक पूरी करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। राजस्थान की टीम मुंबई इंडियंस

पर 23 रन की जीत के बाद इस मैच में खेलेगी, जबकि फाफ डुप्लेसिस की अगुआई वाली आरसीबी ने अपना पहला मैच गंवाने के बाद कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) पर तीन विकेट से करीबी जीत हासिल की थी। वानखेड़े स्टेडियम की पिच से शुरू में तेज गेंदबाजों को मदद मिल रही है और दोनों टीम इसका फायदा उठाना चाहेंगी। राजस्थान की तरफ से सलामी बल्लेबाज जोस बटलर शानदार फार्म में चल रहे हैं और वह किसी भी आक्रमण की धज्जियां उड़ा सकते हैं, जैसे उन्होंने शनिवार को मुंबई के खिलाफ अपनी शतकीय पारी के दौरान किया था। उन्हें हालांकि सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और तीसरे नंबर पर उतरने वाले देवदत्त पडीक्कल से सहयोग की जरूरत पड़ेगी। पहले मैच में अर्धशतक लगाने के बाद राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन मुंबई के खिलाफ अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए थे। सैमसन अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखकर आगे बढ़कर नेतृत्व करने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेंगे। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर ने पहले दोनों मैचों में ताबड़तोड़ रन जुटाए। राजस्थान के ये पांचों बल्लेबाज आरसीबी के गेंदबाजों के लिए मुश्किल खड़ी कर सकते हैं। गेंदबाजी में राजस्थान अपने संयोजन में किसी तरह की छेड़छाड़ करने से बचना चाहेगा। ट्रेंट बोल्ट, प्रसिद्ध कृष्णा और नवदीप सैनी ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है, जबकि स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और युजवेंद्रा सिंह चहल के आठ ओवर बेहद महत्वपूर्ण होंगे। आरसीबी की गेंदबाजी की अगुआई श्रीलंका के लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा कर रहे हैं। उनके अलावा डेविड विली, आकाश दीप और मुहम्मद सिराज को भी पिछले मैच की तरह अच्छा प्रदर्शन करना होगा। आरसीबी को अगर राजस्थान के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना है तो डेथ ओवरों के विशेषज्ञ हर्षल पटेल को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। आरसीबी के लिए गेंदबाजी से अधिक बल्लेबाजी चिंता का विषय है। सलामी बल्लेबाज अनुज रावत निरंतरता नहीं दिखा पा रहे हैं, जबकि डुप्लेसिस को फिर से बड़ा स्कोर बनाने की जरूरत होगी। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि आस्ट्रेलियाई आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल इस मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे या नहीं।

केन पर भारी पड़े केएल राहुल लखनऊ सुपर जाइंट्स ने हैदराबाद को 12 रन से हराया

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 12वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना लखनऊ सुपर जाइंट्स के साथ हुआ। इस मैच में हैदराबाद के कप्तान केन विलियमसन ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निणर्य लिया। लखनऊ ने पहली पारी में कप्तान केएल राहुल और दीपक हुडा की अर्धशतकीय पारी के दम पर 20 ओवर में 7 विकेट पर 169 रन

बनाए। हैदराबाद को जीत के लिए 170 रन का टारगेट मिला था और इस टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 157 रन बनाए और उसे 12 रन से हार मिली। लखनऊ टीम की ये दूसरी जीत थी और अब ये टीम अंक तालिका में चार अंक के साथ पांचवें नंबर पर आ गई हैं जबकि हैदराबाद को दूसरी हार मिली और ये टीम अंक तालिका में दसवें नंबर पर है। हैदराबाद का पहला विकेट कप्तान केन विलियमसन के तौर पर गिरा जो 16 रन बनाकर आवेश खान की गेंद पर आउट हो गए तो वहीं आवेश खान ने ही अभिषेक शर्मा को 13 रन पर आउट कर दिया और टीम को दूसरी सफलता दिलाई। एडेन मार्करम ने टीम के लिए 12 रन की पारी खेली और क्रुणाल पांड्या की गेंद पर कैच आउट हो गए। राहुल त्रिपाठी ने 44 रन की अच्छी पारी खेली, लेकिन उनकी इनिंग का अंत क्रुणाल पांड्या ने करवा दिया। आवेश खान ने निकोलस पूरन को 34 रन पर जबकि अब्दुल समद को जीरो पर कैच आउट कर दिया। वाशिंगटन सुंदर को जेसन होल्डर ने 18 रन पर आउट कर दिया। भुवी को भी जेसन होल्डर ने एक रन पर कैच आउट करवा दिया। लखनऊ की तरफ से आवेश खान ने चार, जेसन होल्डर ने तीन जबकि क्रुणाल पांड्या ने दो विकेट लिए। हैदराबाद के स्पिनर वाशिंगटन सुंदर ने अपनी टीम को पहली सफलता दिलाते हुए धुरंधर बल्लेबाज क्विंटन डिकाक को एक रन के स्कोर पर कप्तान केन के हाथों कैच आउट करवा दिया। मनीष पांडे भी सस्ते में पवेलियन लौट गए। उन्होंने सिर्फ 11 रन की पारी खेली और रोमारियो शेफर्ड ने उन्हें भुवनेश्वर कुमार के हाथों कैच आउट करवा दिया। दीपक हुडा ने 33 गेंदों पर 51 रन की पारी खेली और 3 छक्के व 3 चौके लगाए। वे शेफर्ड की गेंद पर कैच आउट हुए। टीम के कप्तान केएल राहुल ने काफी अच्छी पारी खेली और 50 गेंदों पर 68 रन बनाए। वो टी नटराजन की गेंद पर पगबाधा आउट हुए। क्रुणाल पांड्या भी 6 रन बनाकर नटराजन की शिकार बने। आयुष बदोनी 19 रन बनाकर आउट हुए तो वहीं जेसन होल्डर 8 रन बनाकर नाबाद रहे। हैदराबाद की तरफ से सुंदर, शेफर्ड व नटराजन को दो-दो सफलता मिली। हैदराबाद के खिलाफ इस मैच के लिए लखनऊ की टीम ने अपनी प्लेइंग इलेवन में एक बदलाव किया और दुष्मंथा चमीरा की जगह जेसन होल्डर को मौका दिया गया। वहीं हैदराबाद ने अपनी प्लेइंग इलेवन में कोई बदलाव नहीं किया। सुंदर ने इविन लुईस को भी एक रन पर ही आउट किया और अपनी टीम को दूसरी सफलता दिलाई। केन विलियमसन (कप्तान), अभिषेक शर्मा, राहुल त्रिपाठी, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), एडेन मार्करम, अब्दुल समद, रोमारियो शेफर्ड, वाशिंगटन सुंदर, भुवनेश्वर कुमार, टी नटराजन, उमरान मलिक।

बैंगलोर के इन खिलाडियों पर होगी रायल्स के जीत की हैट्रिक रोकने की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। नए कप्तान के नेतृत्व में बैंगलोर के लिए यह सीजन मिला-जुला रहा है। पहले मैच में जहां उसे 200 से ज्यादा का स्कोर करने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा था वहीं दूसरे मैच में टीम ने कोलकाता को हराकर वापसी की थी। टीम जब राजस्थान के पहले मैच में शानदार बल्लेबाजी करने वाले फाफ दूसरे मैच में केवल 5 रन ही बना पाए थे जबकि कोहली के बल्ले से भी रन नहीं निकले थे। आरसीबी की ओपनिंग जोड़ी- अनुज रावत और फाफ के रूप टीम के पास ओपनिंग विकल्प है जो पिछले मैच में नहीं चली थी। अच्छी फिनिशर के तौर पर दिनेश कार्तिक अच्छा काम कर रहे हैं। टीम को हसरंगा से भी बल्लेबाजी में योगदान की उम्मीद होगी। गेंदबाजी में आरसीबी- टीम के पास हर्षल पटेल, मोहम्मद सिराज और डेविड विली के रूप में तेज गेंदबाजी का विकल्प है तो वहीं वानिंदू हसरंगा ने पिछले

खिलाफ मैच में वानखेड़े के मैदान पर उतरेगी तो उसके सामने राजस्थान के बल्लेबाजों को रोकने की बड़ी चुनौती होगी। राजस्थान का टाप आर्डर जबरदस्त फार्म में है। खासतौर से जोस बटलर ने पिछले मैच में मुंबई की स्ट्रोंग गेंदबाजी के सामने सीजन का पहला शतक लगाया था आरसीबी के लिए चिंता की बात ये है कि पिछले मैच में टीम का टाप आर्डर केकेआर के सामने बिखर गया था। शुरुआत दिलाने की जिम्मेदारी कप्तान के कंधों पर होगी जैसा उन्होंने पहले मैच में किया था जबकि अनुज के ऊपर भी अपने सेलेक्शन को सही साबित करने की चुनौती होगी। आरसीबी का मध्यक्रम- मध्यक्रम की बात करें तो टीम के पास विराट कोहली मौजूद हैं। उनके अलावा डेविड विली, शेरफेन रदरफोर्ड और शाहबाज अहमद हैं। पिछले मैच में अहमद ने अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया था। मैच में शानदार गेंदबाजी की थी और टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। युवा गेंदबाज आकाशदीप ने भी गेंदबाजी से मैनेजमेंट का भरोसा जीता है। फाफ डु प्लेसिस (कप्तान), अनुज रावत, विराट कोहली, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), शेरफेन रदरफोर्ड, शाहबाज अहमद, वानिंदू हसरंगा, डेविड विली, हर्षल पटेल, आकाशदीप, मोहम्मद सिराज।

न्यूजीलैंड ने वनडे सीरीज जीतकर रास टेलर को दी शानदार विदाई, नीदरलैंड को तीसरे मैच में भी हराया

हैमिल्टन, एपी। न्यूजीलैंड ने मार्टिन गुप्टिल (106) और विल यंग (120) के शतकों की मदद से सोमवार को तीसरे व अंतिम वनडे मैच में नीदरलैंड्स को 115 रन से हरा दिया। इसके साथ ही न्यूजीलैंड ने वनडे सीरीज 3-0 से अपने नाम की। न्यूजीलैंड ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में आठ विकेट पर 333 रन का विशाल स्कोर बनाया। जवाब में मैट हेनरी (4/36) की गेंदबाजी के आगे नीदरलैंड्स की टीम 42.3 ओवर में 218 रन पर ढेर हो गई। रास टेलर को करना पड़ा लंबा इंतजार : रास टेलर को अपने आखिरी मैच में क्रीज पर उतरने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। गुप्टिल और यंग के बीच दूसरे विकेट के लिए 203 रन की साझेदारी के कारण वह 39वें ओवर में क्रीज पर उतर पाए। उनके मैदान पर आते ही दर्शकों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। लोगान वान बीक के अपनी ही गेंद पर कैच लपकने पर जब टेलर 14 रन बनाकर आउट होने के बाद वापस पवेलियन लौट रहे थे तो उनके चेहरे पर फीकी मुस्कान थी। वह नीदरलैंड्स के खिलाडि़यों के बीच से निकलकर मैदान से बाहर गए। इस बीच दर्शकों ने

खड़े होकर उनका अभिवादन किया। रास टेलर ने कहा कि मैं हमेशा परिस्थितियों के अनुसार और चेहरे पर मुस्कान लेकर खेला। मैंने पूरे गर्व और सम्मान के साथ अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। मैं शुरू से देश के लिए खेलना चाहता था। टेलर का यह न्यूजीलैंड के लिए 450वां और आखिरी मैच था, जिससे उनके 16 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर का भी अंत हो गया।

कब और कहां देख सकते हैं बैंगलोर और राजस्थान के बीच होने वाला ये मैच

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें मैच में रायल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम शानदार फार्म में चल रही राजस्थान की टीम से

भिड़ेगी। राजस्थान अब तक खेले गए दोनों मैच जीत चुका है जबकि फाफ डु प्लेसिस के नेतृत्व में आसीबी की टीम पिछला मुकाबला जीत कर यहां पहुंची है। पिछले मैच में टीम ने केकेआर को हराया था। पिछले मैच में टीम का शीर्ष क्रम संघर्ष करता हुआ नजर आया था। दूसरी तरफ राजस्थान की बल्लेबाजी में संजू सैमसन और जोस बटलर बेजोड़ फार्म में है। पिछले मैच में मुंबई के खिलाफ बटलर ने 68 गेंदों पर 100 रनों की पारी खेली थी। ये उनका सीजन का पहला शतक था। टीम को उनसे इसी तरह की बल्लेबाजी की दरकार होगी। यदि आप भी इस मैच का आनंद लेना चाहते हैं तो मैच से जुड़ी कुछ अहम बातों को जान लेते हैं। यशस्वी जायसवाल और बटलर राजस्थान की टीम के लिए ओपनिंग करते नजर आएंगे। कब होगा रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और राजस्थान रायल्स के बीच ये मैच 5 अप्रैल, मंगलवार को होगा रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और राजस्थान रायल्स के बीच ये मैच। कहां खेला जाएगा रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और राजस्थान रायल्स के बीच ये मैच रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और राजस्थान रायल्स के बीच ये मैच वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा।रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और राजस्थान रायल्स के बीच ये मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा। कितने बजे होगा रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और राजस्थान रायल्स के बीच इस मैच का टास रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और राजस्थान रायल्स के बीच इस मैच का टास शाम 7 बजे होगा। रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और राजस्थान रायल्स के बीच इस मैच को कहां देख सकते हैं रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और राजस्थान रायल्स के बीच इस मैच को स्टार स्पोर्ट्स के नेटवर्क या हाटस्टार पर देख सकते हैं। इसके अलावा इस मैच से जुड़ी हर खबर को आप आप दैनिक जागरण की वेबसाइट पढ़ सकते हैं।

राशिफल

मेष-:अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का प्रयास करें, क्योंकि भाग्य स्वयं बहुत आलसी है। बुद्धिमानी से किया गया निवेश ही फलदायी होगा ।

वृष-: आपके भाग्य के सितारे बुलंद होंगे। आज नवरात्रि के शुभ दिन मां दुर्गा आपको कार्य में सफलता दिलाएंगी। आपका दाम्पत्य जीवन सुखमय बना रहेगा।

मिथुन-:आज आपको क्रोध और वाणी पर संयम रखना होगा। आज आपकी बीमारियों के इलाज में पैसा खर्च होने की संभावना है।

कर्क-:आपकी अपेक्षा के अनुरूप नहीं होगा। लोगों के प्रति दयालु रहें, खासकर उनके लिए जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं।

सिंह-: आज आपका मन सामाजिक और धार्मिक कार्यों की ओर रहेगा। समाज में लोगों के बीच आपके काम की सराहना होगी।

कन्या-:रियर के लिहाज से यह दिन आपके लिए बेहतरीन साबित होगा। काम के दौरान आपको अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखने की कोशिश करनी चाहिए।

तुला-:आर्थिक रूप से केवल और केवल एक स्रोत को लाभ होगा। जिस व्यक्ति के साथ आप रहते हैं, वह आज आपके किसी काम से बहुत नाराज़ होगा।

वृश्चिक-:आज किसी जरूरी काम में मित्रों का सहयोग मिलेगा। कई दिनों से अटका हुआ धन आज मिलने की पूरी उम्मीद है। इस राशि के कला छात्रों के लिए।

धनु-:ाज का दिन आपके लिए विशेष रूप से अच्छा है। आप अपने दम पर कुछ नया शुरू कर सकते हैं, आप अपने कुछ अधूरे कामों को पूरा कर सकते हैं जिनमें बहुत समय लगता है।

मकर-:पैसा आपके पास आएगा, जो आपके खर्च और बिल आदि को संभालेगा। अपने घर के माहौल में कुछ बदलाव करने से पहले आप सभी की राय जानने की कोशिश करें।

कुंभ-:आज कोई रुका हुआ काम पूरा करने से खुशी मिलेगी। शाम तक आपको कोई ऐसी खुशखबरी मिलेगी, जिसका आप काफी समय से इंतजार कर रहे थे।

मीन-:आज अगर आप किसी बात से परेशान हैं तो शेयर करें, ऐसा करने से कोई आपको कमजोर नहीं समझेगा। अपनी परेशानियों को व्यक्त करना ताकत की निशानी है।

सम्पादकीय

भारत में अल्पसंख्यक और परिसंघीय सिद्धांत, राज्य को ही दर्जा देने का अधिकार

एक पंथनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में भारत ने सदैव सभी विश्वासों के प्रति सहिष्णुता दर्शाने वाले उदारवादी सिद्धांतों को महत्व दिया है। यही उदारवादी सिद्धांत भारत की विविध संस्कृति और उसकी अखंडता का प्रदर्शन भी करते हैं और निसंदेह इस अखंडता को बनाए रखने में सहायक रहे हैं। लेकिन हाल के दशकों में व्यक्तिवादी मनोवृत्तियों के उभरने और उनके प्रसार के कारण कई अवसरों पर अंतर-सांस्कृतिक संघर्षों को बल मिला है और ऐसी स्थिति को आलोचकों ने कई बार ’असहिष्णुता की एक संस्कृतिऽ भी कहा है। ध्यातव्य हो कि भारत का संविधान प्रत्यक्ष रूप से प्रतिष्ठा और अवसर की समानता का प्रविधान करता है और बंधुत्व के सिद्धांत पर व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करता है। इसके बावजूद कई समूह राजनीतिक मनोवृत्तियों से प्रभावित होकर वैयक्तिक राजनीतिक लाभ लेने की मंशा से भारत की विविध और बहुवचनीय संस्कृति का अनुचित लाभ लेने का प्रयास करते हैं। इसके लिए ऐसे समूह समाज को जाति या भाषा या धर्म के आधार पर बांटने का कार्य करते हैं जिसके कारण समुदायों में घृणा की भावना विकसित होती है जो सांप्रदायिकता को जन्म देती है। यह सत्य है कि कोई राष्ट्र तभी अखंड बना रह सकता है जब वह कमजोर एवं बहिष्कृत वर्गों और अल्पसंख्यकों को सुरक्षा प्रदान करे। इसी आधार पर संविधान ने सभी व्यक्तियों को धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार समान रूप से दिया है। साथ ही, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक और भाषाई आधारों पर विभेद रोका है, ताकि भारत में विधि के शासन द्वारा विधिक और नैसर्गिक, दोनों ही प्रकार का न्याय उपलब्ध कराया जा सके। अल्पसंख्यक शिक्षा संस्था अधिनियम : हाल ही में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शिक्षा संस्था अधिनियम 2004 की धारा 2 (एफ) की वैधता को चुनौती दी गई है जिसने इस विषय को विवादास्पद बना दिया है। याचिका में यह कहा गया है कि अधिनियम की यह धारा प्रभाव में स्वेच्छाचारी, अतार्किक और आक्रामक है। याचिका में यह भी उल्लेख है कि अल्पसंख्यक शब्द की स्पष्ट परिभाषा नहीं दिया जाना संविधान की संरचनात्मक कमी है। अधिनियम की यह धारा संघ सरकार को भारत में अल्पसंख्यकों की पहचान करने और उन्हें अधिसूचित करने की शक्ति देती है। दूसरी ओर, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम 1992 की धारा 2 (सी) भी संघ सरकार को अल्पसंख्यकों की पहचान करने की शक्ति देती है। इसी शक्ति का प्रयोग कर सरकार ने 1993 में मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध तथा पारसी समुदाय को अल्पसंख्यक समुदाय घोषित किया था। वर्ष 2014 में जैन समुदाय को भी अल्पसंख्यक समुदाय के रूप में अधिसूचित किया गया। हाल ही में दायर याचिका में यह मांग की गई है कि कई राज्यों में बहाई, हिंदू और यहूदी समुदाय अल्पसंख्यक हैं, अतः उन्हें भी यह दर्जा दिया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए, महाराष्ट्र सरकार ने यहूदियों को राज्य में अल्पसंख्यक घोषित किया है। इसी प्रकार, कर्नाटक ने उर्दू, तमिल, तेलुगु, मलयालम, मराठी, तुलु, हिंदी, कोंकणी तथा गुजराती भाषाओं को राज्य में अल्पसंख्यक भाषा के रूप में मान्यता दी है। केंद्र सरकार ने इस याचिका की अनुक्रिया में कहा है कि इससे किसी समुदाय को अल्पसंख्यक घोषित करने की संघ की शक्ति का क्षरण नहीं होता। इस पृष्ठभूमि में अल्पसंख्यकों के संदर्भ में संविधानिक योजना पर विचार करने के अतिरिक्त संघ और राज्यों द्वारा विधि निर्माण के परिसंघीय सिद्धांतों पर भी विचार करना उपयुक्त होगा। भारत के संविधान में ’अल्पसंख्यकऽ शब्द परिभाषित नहीं है, लेकिन अनुच्छेद 29 (1) में ऐसे समुदायों की पहचान के आधारों का उल्लेख है। ये आधार हैं भाषा, लिपि या संस्कृति। अनुच्छेद 29 (1) की विशेषता यह है कि इसके प्रविधान सामान्य रूप से नागरिकों के सभी वर्गों जिनकी विशिष्ट भाषा, लिपि या संस्कृति है, उन पर लागू हैं और विशेष रूप से अल्पसंख्यक समुदाय के शैक्षणिक और सांस्कृतिक अधिकारों का संरक्षण करते हैं। इसके अतिरिक्त, अनुच्छेद 29 के खंड (2) में शिक्षा संस्थाओं में प्रवेश के लिए केवल धर्म, मूलवंश, जाति या भाषा के आधार पर विभेद रोका गया है।

भारत में असंगठित तौर पर कार्यरत श्रमिकों के लिए आर्थिक सामाजिक सुरक्षा की महत्ता

वृद्धावस्था में सम्मानपूर्ण जीवन सुनिश्चित करने की दिशा में संसद का एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप सामने आया है। हाल ही में एक स्थायी समिति ने अनुदान मांग 2022-23 पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए ईपीएफओ यानी कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की पेंशन योजना के तहत अंशधारकों को एक हजार रुपये की न्यूनतम मासिक पेंशन को कम मानते हुए इसे बढ़ाने के लिए कहा है। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब किसी समिति ने इस तरह की बात की हो, इससे पहले भी कई अन्य समितियों ने पेंशन को बढ़ाने की मांग की थी, लेकिन इस समिति ने कुछ ऐसे प्रयास भी किए हैं जिससे इस प्रस्ताव ने सर्वोच्च स्तर पर सामाजिक सुरक्षा और उसे और विशेष तौर पर वृद्धावस्था से जुड़ी पेंशन का प्रशन इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि आने वाले दशकों में हमारी औसत आयु बढ़ेगी। इस कारण से पेंशन पर निर्भर आबादी और उसका बोझ दोनों बढ़ेंगे। इस संबंध में उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014 में ईपीएफओ की कर्मचारी पेंशन योजना-1995 के अंतर्गत न्यूनतम मासिक पेंशन को एक हजार रुपये किया गया था, जो न केवल अपर्याप्त प्रतीत हो रहा है, बल्कि रंगराजन समिति की शहरी गरीबी रेखा से नीचे भी है। यही कारण है कि कई श्रमिक संगठनों ने उस समय भी इसे बढ़ाने की मांग की थी। अब जब पिछले आठ वर्षों में महंगाई और बढ़ी है तो ऐसे में यह राशि और भी कम प्रतीत हो रही है। पेंशन का प्रशन सुरक्षा अधिनियम, 2008 देश में लागू हुआ। मगर इससे असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं से जोड? में कारगर सफलता नहीं मिल पाई। पूर्व के अनुभवों से सीख लेते हुए पिछले कुछ वर्षों में केंद्र सरकार ने देश में सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा के लिए कई कदम उठाए हैं। वर्ष 2020 में लाया गया सामाजिक सुरक्षा संहिता असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में एक मत्वपूर्ण कदम है। भविष्य को ध्यान में रखकर बनाई गई इस संहिता में ’गिग इकोनमीऽ और इस तरह के विविध प्लेटफार्म से जुड़े श्रमिकों को भी लाभ मिल सके इसलिए उन्हें भी जोड़ा गया है। इस संहिता में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए या तो अंशदान आर्थिक सुरक्षा लाभों के दायरे में लाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी दिशा में बढ़ते हुए हाल ही में श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेंद्र यादव ने प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के अंतर्गत ’डोनेट ए पेंशनऽ नामक पहल की शुरुआत की। इस पहल में कोई भी नागरिक अपने कर्मचारी जैसे चालक, घरेलू सहयोगी इत्यादि के पेंशन के प्रीमियम योगदान को दान कर सकते हैं। प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना स्वैच्छिक और अंशदायी है जिसमें लाभार्थी 60 वर्ष की आयु तक एक निर्धारित योगदान करता है। केंद्र सरकार भी इसमें योगदान करती है तथा 60 वर्ष की आयु के बाद उसे तीन हजार रुपये की मासिक पेंशन मिलेगी। वर्तमान में सामाजिक सुरक्षा को प्रत्येक श्रमिकों

सुनिश्चित करने में सरकार की भूमिका को एक नई दिशा दी है समिति की सिफारिशें क्यों और कितनी महत्वपूर्ण हैं, इसे समझने के लिए हमें तीन पहलुओं को देखना होगा। पहला, सामाजिक सुरक्षा की अवधारणा और उसकी जरूरत। दूसरा, सरकार की क्षमता और तीसरा भविष्य में भारत के जनसांख्यिक बदलाव। सामान्य शब्दों में समझें तो सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा वह प्रविधान है जो किसी व्यक्ति की बेरोजगारी, बीमारी, दुर्घटना, वृद्धावस्था या कोई ऐसा प्रसंग जिसमें उसके सामने कोई असाधारण खर्च आ जाए, उस दशा में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। भारत के लिए सामाजिक सुरक्षा ईपीएफओ तक ही सीमित नहीं है। भारत में करीब 80 प्रतिशत से ज्यादा श्रमिक असंगठित क्षेत्र में कार्यरत हैं। यह वर्ग किसी भी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा योजना के लाभ से वंचित है। ऐसा नहीं है कि इस वर्ग के लिए योजनाएं नहीं बनाई गईं, परंतु भारत में ज्यादातर सामाजिक सुरक्षा कानून और योजनाएं असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों तक पहुंचने में विफल रहीं। असंगठित क्षेत्र उद्यम के लिए राष्ट्रीय आयोग (एनसीइन्यूएस) की 2006 की रिपोर्ट, ’असंगठित श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षाऽ के बाद विभिन्न संगठनों और असंगठित क्षेत्र के श्रमिक समूहों के द्वारा अभियान चलाने के बाद वर्ष 2008 में असंगठित क्षेत्र श्रमिक सामाजिक के आधार पर या कुछ मामलों में पूरी तरह से सरकारी वित्त पोषित या कारपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के अनुसार पूरे कार्यबल की सामाजिक सुरक्षा को विस्तार देने का प्रविधान किया गया है। कोविड महामारी के बाद पैदा परिस्थिति ने सामाजिक सुरक्षा के प्रति जागरूकता और बढ़ा दी है। असंगठित क्षेत्र में एक बड़ी चुनौती श्रमिकों का डाटाबेस नहीं होने से जुड़ी थी। अगस्त 2021 में सरकार ई-श्रम पोर्टल लेकर आई जिसके माध्यम से इस कमी को दूर करने का प्रयास शुरू हुआ। वर्तमान में करीब 26 करोड़ से ज्यादा असंगठित श्रमिकों को ई-श्रम कार्ड जारी किया जा चुका है। इसमें पंजीकृत श्रमिकों को सामाजिक-तक पहुंचाने के लिए यह सुनिश्चित करना होगा कि सरकार की ऐसी सभी योजनाओं की जानकारी उन्हें मिले और इससे भविष्य या किसी दुर्घटना की स्थिति में उन्हें क्या लाभ मिलेगा, वह भी उन्हें समझाया जाए। साथ ही वर्तमान की योजनाओं का एक अध्ययन भी करने की जरूरत है जिससे पता लगाया जा सके कि कौन सी योजनाएं सबसे प्रभावी रही हैं, ताकि उनको और सुदृढ़ किया जा सके। वर्तमान में भारत में इस क्षेत्र से जुड़ी योजनाओं में समाज की भागीदारी उतनी नहीं है। हालांकि ’डोनेट ए पेंशन ऐसी एक बेहतर पहल है, लेकिन इस दिशा में अभी व्यापक प्रयास करने की जरूरत है, ताकि समाज अपनी भागीदारी को इसमें बढ़ा सके।

असम मेघालय सीमा विवाद समझौते से जगी नई उम्मीद

देश के कई पूर्वोत्तर राज्यों के बीच आपसी सीमा विवाद लंबे समय से जारी है। दरअसल पहाड़ और जंगल जैसे दुर्गम क्षेत्रों में सीमांकन का कार्य बेहद मुश्किल होने के कारण कई बार किसी क्षेत्र विशेष पर दोनों निकटतम राज्यों की ओर से दावा किया जाता रहा है। लिहाजा धीरे धीरे यह विवाद का रूप धर लेता है जो किसी तात्कालिक कारण से कई बार उग्र रूप भी धारण कर लेता है। विदित हो कि असम और मेघालय राज्यों की 884 किलोमीटर की सीमा में कुल 12 स्थान विवादित हैं जिनमें से छह जगहों का समझौता हो गया है। जिन क्षेत्रों का समझौता हुआ है उस हिसाब से देखा जाए तो लगभग 70 प्रतिशत सीमाई इलाका विवाद मुक्त हो गया है। गृह मंत्री ने यह उम्मीद जताई है कि शेष छह स्थानों का विवाद भी जल्द सुलझ जाएगा। गृह मंत्री अमित शाह के पद संभालने के बाद पूर्वोत्तर राज्यों के कई विवादों के स्थायी समाधान निकालने की दिशा में काफी तेजी से काम हुआ है। इससे पहले अगस्त 2019 में त्रिपुरा में नेशनल लिबरेशन फ्रंट आफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। इसके बाद 23 जनवरी 2020 को ब्रू-रियांग शरणार्थियों के 23 वर्ष पुराने विवाद को समाप्त करने के लिए समझौता किया गया। इसके चार दिन बाद 27 जनवरी 2020 को बोडोलैंड के 50 वर्ष पुराने विवाद को खत्म करने में सफलता हासिल हुई। चार सितंबर 2021 को कार्बी-आंगलोंग समझौता होने से कार्बी क्षेत्र में चला आ रहा पुराना विवाद समाप्त हो गया। इस तरह राज्यों के विवादों को सुलझाने में केंद्र व राज्य सरकारें काफी आगे बढ़ी हैं। इस सीमा विवाद को समाप्त करने के लिए बनी सहमति एक बहुत बड़ी कामयाबी है। इस समझौते ने पूर्वोत्तर इलाके में स्थायी शांति की उम्मीद जगा दी है। दोनों राज्यों के बीच हुआ यह समझौता उत्तर पूर्व अन्य राज्यों के लिए नया माडल बनकर समस्त विवादों को हल करने की नई राह दिखा सकता है। इस समझौते की राह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की यह सलाह अत्यंत प्रेरणादायक बनी कि ’जब भारत-बांग्ला देश आपसी सीमा विवाद सुलझा सकते हैं तो देश के दो राज्य अपने विवाद क्यों नहीं हल कर सकते हैं। निश्चित रूप से इस समझौते से भारतीय संघ राज्य की परिकल्पना और मजबूत हुई है। संघीय ढांचे में दो राज्यों अथवा दो प्रशासनिक इकाइयों के बीच भौगोलिक सीमाओं के बंटवारे को लेकर विवादों का होना एक सामान्य बात है। ऐसे किसी मामले को भारतीय संविधान की भावना का आदर करते हुए आपसी सहमति से हल कर लेना एक विशेष उपलब्धि है। इन राज्यों के बीच के विवाद को सुलझाने के लिए वर्ष 1985 में देश के सेवानिवृत्त प्रधान न्यायाधीशी वाईवी चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता में गठित समिति भी कोई हल नहीं निकाल सकी थी असम और मेघालय राज्यों के सीमा विवाद से जुड़े जिन क्षेत्रों के विवाद का समझौता हुआ है उनमें ताराबारी, गिजांग, हाहिम, बोकलापारा, खानापारा, पिलंगकाटा एवं रातवेरा हैं जो मेघालय में पश्चिम खासी हिल्स, री-मोई और पूर्वी जयंतिया हिल्स का और असम से कछार, कामरूप जिलों का हिस्सा है। समझौते में दोनों राज्यों की 36.79 वर्ग किलोमीटर जमीन के लिए भेजी गई सिफारिशों में इस बात का उल्लेख है कि असम 18.51 वर्ग किलोमीटर जमीन अपने पास रखेगा तथा 18.28 वर्ग किलोमीटर मेघालय को दे देगा। जिन छह स्थानों का विवाद सुलझा है उनमें 36 गांव हैं जिसके लिए समझौता हुआ है। इसके लिए दोनों राज्यों ने पिछले साल अगस्त में इस जटिल सीमा मुद्दे पर तीन-तीन समितियां बनाई थीं और चरणबद्ध तरीके से विवाद को सुलझाने का संकल्प लिया था। दोनों राज्यों के बीच विवाद का मुख्य बिंदु असम के कामरूप जिले की सीमा से लगे पश्चिम गारो हिल्स में लिंगपोह जिला है। अंग्रेजी शासन काल के दौरान यह इलाका कामरूप जिले का हिस्सा था, लेकिन स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात यह हिस्सा गारो हिल्स और मेघालय के अंतर्गत आ गया। असम इसे मिकिर पहाड़ियों का हिस्सा मानता है। मेघालय ने मिकिर हिल्स के ब्लाक-1 और ब्लाक-2 पर ऐतराज जताया। कार्बी आंगलोंग क्षेत्र असम का हिस्सा है। मेघालय का कहना था कि यह क्षेत्र तत्कालीन यूनाइटेड खासी और जयंतिया हिल्स जिलों के हिस्से थे। विदित हो कि मेघालय को वर्ष 1972 में असम प्रांत से अलग करके नया राज्य बनाया गया था, परंतु मेघालय ने असम पुनर्गठन अधिनियम 1971 को चुनौती दी थी। इसी कानून की वजह से दोनों राज्यों के बीच विवाद हुआ था। इस सीमा विवाद के कारण असम व अन्य राज्यों के बीच पूर्व में कई हिंसक घटनाएं भी हो चुकी हैं। 14 मई 2010 को असम के कामरूप की सीमा से सटे पश्चिमी खासी हिल्स के लिंगपोह में असम पुलिस के जवानों की गोलीबारी में खासी समुदाय के चार ग्रामीण मारे गए और 12 लोग घायल हो गए थे।

रूस-यूक्रेन युद्ध से सबसे बड़ा सबक यही मिला है कि अपनी रक्षा के लिए आप किसी और पर निर्भर नहीं रह सकते

यूक्रेन पर अपने हमले को रूस ने ‘विशेष सैन्य अभियान’ का नाम दिया है। राष्ट्रपति पुतिन को पूरा भरोसा था कि जैसे उनकी सेनाओं ने क्रीमिया को जीत लिया, वैसे ही यूक्रेन को भी तीन दिनों में ध्वस्त कर देंगी। उनके लिए यह अफसोसजनक रहा कि महीने भर तक भारी-भरकम सैन्य हमलों के बावजूद यूक्रेन के प्रमुख शहरों में रूस की पैठ नहीं बन पाई। यहां तक कि रूस ने हाइपरसोनिक मिसाइल का भी सहारा लिया। यूक्रेन के सैन्य बलों, नागरिकों और राजव्यवस्था ने बहुत मजबूती से प्रतिरोध किया। अपने शस्त्रागार के बजाय देशभक्ति और लोकतंत्र के प्रति उनके प्रेम ने उन्हें यह शक्ति प्रदान की है, जो संस्थानों और मानवीय जीवन पर आघात से भी अप्रभावित है। अर्थशास्त्र में नोबेल पुरस्कार प्राप्त थामस सेलिंग के अनुसार कोई टकराव वास्तव में उन नीति-नियंताओं के बीच रणनीतिक मुकाबला होता है, जो अपनी पसंद के विकल्पों को लेकर उसकी कीमत एवं फायदों को तौलते हैं। हालांकि हमलावर की रणनीति की सफलता उन संभावित परिणामों पर निर्भर करती है, जिस पर हमला किया जा सकता है। पूरा विश्व यूक्रेन युद्ध की विभीषिका का प्रत्यक्षदर्शी बना हुआ है। सहानुभूति को शब्दों के माध्यम से व्यक्त किया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र में प्रस्ताव से लेकर यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति और लाखों यूक्रेनियों का पड़ोसी देशों में शरणार्थी के रूप में स्वागत और रूस पर अप्रत्याशित आर्थिक प्रतिबंध और उसके धनकुबेरों एवं उनके संगी-साथियों पर कसता शिकंजा हम सभी ने देखा है। इतना ही नहीं पूरी दुनिया ऊर्जा संसाधनों, खनिज, खादय पदार्थो की कीमतों में भारी बढ़ोतरी देख रही है। महंगाई के कारण उपजी मंदी और व्यापक मानवीय त्रासदी की स्थिति बन रही है। इस युद्ध का अंतिम परिणाम इस बात पर निर्भर करेगा कि यह लड़ाई कितनी लंबी खिंचेगी और उसका अंत किस प्रकार होता है रूस की मजबूत सेना के खिलाफ यूक्रेन के सीमित सैनिक और स्वयंसेवक ही मोर्चा संभाल हुए हैं। अभी से यह कहा जाने लगा है कि युद्ध में यूक्रेन की नैतिक जीत हो रही है। दुनिया भर में बन रहे अधिकांश विमर्श इसी पर केंद्रित हैं कि पुतिन यह लड़ाई हार रहे हैं। हालांकि जंग के मैदान में जीत इसी पहलू से निर्धारित होगी कि यूक्रेन का सैन्य अमला अपने देश की रक्षा के लिए कब तक अड़ा रहेगा यूक्रेन युद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े नीति-नियंताओं को कई सबक देता है। सबसे पहला तो यह कि अपनी रक्षा के लिए आप किसी और पर निर्भर नहीं रह सकते। इसमें सहानुभूति से कोई खास मदद नहीं मिलने वाली। न केवल लड़ाई खुद लडी होगी, बल्कि उसके प्रभावों-दुष्प्रभावों को भी स्वयं ही झेलना होगा। दूसरा सबक यह है कि मौजूदा युद्ध केवल एक ही मोर्चे पर नहीं लड़े जाते। उनमें सैन्य संघर्ष से लेकर साइबर युद्ध, सूचना युद्ध और आर्थिक प्रतिबंध एवं ऊर्जा संकट जैसे मोर्चे भी शामिल होते हैं। इसमें किसी के उपहार उदार अवश्य हो सकते हैं, लेकिन वे जिताने के लिए पर्याप्त नहीं होंगे। इसका उत्तर उसी मंत्र में निहित है, जिसका आह्वान प्रधानमंत्री मोदी पिछले कुछ अर्से से करते आए हैं। यह मंत्र है आत्मनिर्भरता का, जिसमें रेल, बंदरगाह, हवाई अड्डे, सूचना हाईवे और ऊर्जा पर्याप्तता जैसे तमाम पहलू समाहित हैं। भारत के आयात बिल में ऊर्जा संसाधन, प्रौद्योगिकी और सैन्य साजोसामान से लेकर उन तमाम उपकरणों के पुर्जे भी प्रमुख अवयव हैं, जिनसे यहां निर्माण कार्य किया जाता है। यह हमारी कमियों को मुखरता से रेखांकित करता है। भारत एक शांतिप्रिय देश है और उचित ही है कि वह किसी पाले में नहीं खड़ा होता। हालांकि अक्सर उसकी विदेश नीति और रुख को इस प्रकार सुसंगत होना चाहिए कि उसके रणनीतिक रक्षण का मसला अलग-थलग न पड़े। मजबूत रणनीतिक कवच की रूपरेखा लंबे समय से ठंडे बस्ते में पड़ी है। मौजूदा सरकार स्थितियों को गंभीरता को समझकर तत्परता से कमियों को दूर करने में जुटी है, किंतु दशकों की हीलाहवाली को रातोंरात दुरुस्त नहीं किया जा सकता। आर्थिक धुरी को बदलने और बहुध्रुवीयता वाला वर्तमान भू-राजनीतिक उभार अत्यधिक तत्परता की मांग करता है। ऐसे में एक व्यापक रणनीतिक कायर्योजना तैयार करनी होगी। इसमें सबसे बड़ी प्राथमिकता तो अर्थव्यवस्था का कुशल प्रबंधन एवं ऊंची जीडीपी वृद्धि होनी चाहिए। इसके लिए लोगों, उद्यमों और नीति-नियंताओं को बेहतर समझ बनाकर उचित समन्वय के साथ काम करना होगा। हथियारों के निर्माण का काम घरेलू स्तर ही बढ़ाना होगा। उनके कलपुर्जों से लेकर उनके निर्माण और परीक्षण की प्रक्रिया यहीं संपादित करनी होगी। विनिर्माण से जुड़े उद्यम नकल के बजाय नवाचार में उत्कृष्टता प्राप्त करने के प्रयास करें। अत्याधुनिक शस्त्र भंडार बनाने के लिए हमारे नागरिक एवं सैन्य कमियों को कंधे से कंधा मिलाकर काम करना होगा। भारतीय आइटी प्रतिभाओं के कौशल का लोहा पूरी दुनिया मानती है। यूक्रेन को दुनिया भर से स्वैच्छिक लड़ाकों का साथ मिल रहा है। इसी तरह दुनिया भर में फैली भारतीय प्रतिभाओं को लामबंद होकर दुनिया की सर्वोत्तम तकनीकी एवं साइबर क्षमताओं के विकास में जुटना चाहिए। बहुस्तरीय बुनियादी ढांचे के विकास में आर्थिक वृद्धि के साथ ही सामरिक लक्ष्यों का भी ध्यान रखा जाए।

सभी बोर्डों के छात्रों को समान अवसर प्रदान करेगी संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा

सनतक कार्यक्रम में दाखिले के लिए होने जा रही संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा यानी सीयूईटी का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि सबको एक समान पढे और आगे बढे का अवसर मिलेगा। यह संयुक्त प्रवेश परीक्षा अभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों के सनतक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए हो रही है, किंतु राज्यों के विश्वविद्यालय, डीम्ड एवं निजी विश्वविद्यालय भी इसे अपना सकते हैं और कई तो इसी सत्र से अपना भी रहे हैं। सनतक में प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी को अब संयुक्त प्रवेश परीक्षा में मिले अंकों के आधार पर ही प्रवेश मिलेगा, न कि 12वीं के अंकों के आधार पर। पहले 12वीं के अंकों के आधार पर नामी विश्वविद्यालयों में सनतक कार्यक्रमों में प्रवेश मिलता था। कई विश्वविद्यालयों में तो सौ प्रतिशत अंक पाने वाले ही प्रवेश के लिए आवेदन कर पाते थे। दिल्ली विश्वविद्यालय के दस सनतक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए इस वर्ष सौ प्रतिशत कट आफ रखा गया। बंबई विश्वविद्यालय में भी सौ प्रतिशत कट आफ रखा गया। ऐसी परिस्थिति में 12वीं में 99 प्रतिशत अंक पाने वाले भी इन विश्वविद्यालयों में प्रवेश नहीं ले पाते थे। संयुक्त प्रवेश परीक्षा सबको कहीं भी प्रवेश लेने का अवसर उपलब्ध कराएगी। इससे शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन आएगा। केंद्रीय बोर्डों में अच्छे अंक मिलने और राज्यों के बोर्डों में अपेक्षाकृत कम अंक मिलने के कारण राज्यों के विद्यार्थी पिछड़ जाते थे। सनतक कार्यक्रम के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा 12वीं कक्षा के पाठ्यक्रम पर आधारित होगी। इसकी आवेदन प्रक्रिया दो अप्रैल से शुरू हो गई है। परीक्षा जुलाई के प्रथम सप्ताह में आयोजित की जाएगी। इस वर्ष तो संयुक्त प्रवेश परीक्षा एक बार हो रही है, लेकिन

अगले अकादमिक सत्र से वर्ष में दो बार प्रवेश परीक्षा आयोजित होगी। प्रवेश परीक्षा का पहला भाग सामान्य परीक्षा का होगा, जबकि दूसरा भाग संबंधित विषय के ज्ञान का परीक्षण करेगा। परीक्षा का पहला भाग 13 भाषाओं में होगा और प्रवेशार्थी किसी भी एक भाषा का चयन कर सकेगा। भाषा के कारण जो विद्यार्थी पहले ऐसी परीक्षाओं में पिछड़ जाते थे, उन्हें अब अपनी मातृभाषा में प्रवेश परीक्षा देने का अवसर मिलेगा। गांधीजी ने मातृभाषा में शिक्षा का जो सपना देखा था, उसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने पूरा किया है। इस नीति में सबसे अधिक महत्व मातृभाषा में शिक्षा को दिया गया है। संविधान की आठवीं अनुसूची में अभिलिखित 22 भाषाओं के अतिरिक्त अनेकानेक अन्य भाषाएं भी हैं, जो संबंधित भाषाई समुदाय की दैनंदिन आवश्यकताओं को स्थानिक स्तर पर पूरा करती हैं, किंतु शिक्षा और रोजगार की भाषा के तौर पर ये भाषाएं विकसित और स्वीकृत नहीं हो पाई हैं। भारत सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में देश की अनेक मातृभाषाओं में विद्यालयी शिक्षा और उच्च शिक्षा का जो विकल्प दिया है, उसे पूरा करने की दिशा में 13 भाषाओं में संयुक्त प्रवेश परीक्षा का अवसर बड़ा कदम है। इन भाषाओं में अंग्रेजी, हिंदी, असमी, बांग्ला, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु और उर्दू शामिल हैं। संयुक्त प्रवेश परीक्षा का दूसरा भाग ऐच्छिक होगा और छात्र पहले भाग की भाषाओं के अलावा किसी अन्य भाषा का विकल्प चुन सकेंगे। इन भाषाओं में फ्रेंच, अरबी, जर्मन शामिल हैं। सनतक की ही भांति सनतकोत्तर कार्यक्रम में प्रवेश के लिए भी संयुक्त प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। भारत की शिक्षा प्रणाली की सबसे बड़ी खामी यह रही कि देश में न एक समान पाठ्यक्रम लागू थे और न सबको समान शिक्षा के अवसर हासिल थे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने इस दिशा में ठोस पहल की है। संयुक्त प्रवेश परीक्षा उसी का एक अंग है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू तो हो गई है, किंतु उसकी सफलता इस पर निर्भर करेगी कि वह देशभर में एक समान पाठ्यक्रम लागू करने और सबको एक समान शिक्षा का अवसर देने में कितना सफल होती है जब सभी विद्यार्थी एक ही पाठ्यक्रम पढ़ेंगे तभी वे एक ही धरातल पर आगे बढ़ सकेंगे। केंद्र सरकार को यह ध्यान रखना होगा कि सरकारी विद्यालयों में पढ? वाले सुदूर गांवों के विद्यार्थियों को सीखने के वे अवसर नहीं उपलब्ध हैं, जो मिशनरी, कान्वेंट, पब्लिक, आवासीय अथवा ऐसे ही अन्य स्कूलों के विद्यार्थियों को उपलब्ध हैं। सभी विद्यार्थियों को एकसमान अवसर देकर और एकसमान पाठ्यक्रम बनाकर इस खाई को पाटा जा सकता है। लगभग सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों ने च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) लागू कर दिया है। एक अकादमिक वर्ष में दो सेमेस्टर होते हैं और एक क्रेडिट के लिए प्रति सेमेस्टर 30 घंटे निर्धारित हैं। अनिवार्य और ऐच्छिक पाठ्यक्रमों में प्रत्येक पाठ्यचर्या दो अथवा चार क्रेडिट की होती है। अनिवार्य एवं ऐच्छिक में दो और चार क्रेडिट दोनों प्रकार की पाठ्यचर्या होती है। अनिवार्य और ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं के बीच 70:30 का अनुपात रहता है। विभिन्न पाठ्यचर्याओं के मूल्यांकन के लिए सेमेस्टर की लिखित परीक्षा और आंतरिक परीक्षा के बीच 75:25 का अनुपात होता है। सीबीसीएस प्रणाली छात्रों को अधिक से अधिक अपनी रुचि के विषयों में अध्ययन करने की भी स्वतंत्रता देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में पांच वर्षीय सनतक कार्यक्रम में भी किसी वर्ष कार्यक्रम छोडे की स्वतंत्रता भी दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

जीआरपी कर्मी ने अपनी 7 साल की बेटी की हत्या कर फांसी लगायी

कोलकाता। बेलघरिया जीआरपी में एएसआई जयंत सरदार ने अपनी 7 साल की बेटी जिला सरदार की हत्या कर खुद भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। नदिया के चाकदह थाना अंतर्गत विष्णुपुर स्थित उसके घर से ही दोनों को शव बरामद किया गया। घटना को लेकर इलाके में हड़कंप मच गया। आरोप है कि इसके पीछे स्थानीय लोगों ने उसकी पत्नी को दोषी ठहराते हुए उसकी गिरफ्तारी की मांग की। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जयंत के परिवारवालों का आरोप है कि जयंत की पतनी मौसमी के साथ उसकी तनातनी लगी रहती थी। छोटे-छोटे झगड़ों में वह जयंत को कानूनी मामलों में फंसा देने की धमकी देती थी। साथ ही उसे धमकाती थी कि वह उसे फंसाकर उसकी बेटे से भी उसे दूर कर देगी। मृतक के परिजनों का आरोप है कि पत्नी के साथ हमेशा झगड़े व तनाव से वह मानसिकतौर पर अवसादग्रस्त था। संभवतः इस कारण ही उसने बेटी की गला घोंटकर हत्या कर खुद भी फांसी लगाकर जान दे दी। फिलहाल इस मामले में चाकदह थाने की पुलिस ने वहां पहुंचकर छानबीन शुरू की है। मौत के सटिक कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं पुलिस ने मृतक की पतनी से भी पूछताछ शुरू की है। पिछले दिनों मोटापे से परेशान एक करोड़पति व्यवसायी ने 11वें माले से कूदकर जान दे दी। मृतक का नाम मुकेश खेमका (52) है। पारिवारिक सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक मुकेश काफी समय से मोटापा कम करने की कोशिश कर रहे थे।

32 साल पहले कश्मीर घाटी में आतंकी हमले में बलिदान हुए आरक्षक संतोष के परिवार को बीएसएफ ने सौंपा

कोलकात। कश्मीर घाटी में भारत-पाकिस्तान सीमा पर तैनाती के दौरान वर्ष 1990 में आतंकियों के हमले में बंगाल के मालदा जिले के नूरनगर गांव निवासी सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के आरक्षक संतोष कुमार सरकार देश की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए थे। उनके बलिदान के 32 साल बाद बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी सोमवार को उनके गांव पहुंचकर पतनी को भारत सरकार की ओर से दिया जाने वाला 'आपरेशनल कैजुअल्टी सर्टिफिकेट' (बलिदान प्रमाण पत्र) सौंपा। बीएसएफ के मालदा सेक्टर के उपमहानिरीक्षक (डीआइजी) सुधीर हुड्डा ने खुद बलिदानी की वीरांगना धर्मपत्नी रेखा रानी सरकार को यह प्रमाण पत्र सौंपा। इस मौके पर इलाके के गणमान्य लोगों समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सांसद, विधायक तथा नोडल अधिकारियों की उपस्थिति में हुआ स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ

(आधुनिक समाचार सेव)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। ठस्कूल चलो अभियानठ का शुभारम्भ आज दिनांक 04.04.2022 को माननीय मुख्यमंत्री जी, उ0प्र0 द्वारा जनपद

श्रावस्ती से तथा प्रदेश के अन्य समस्त जनपदों में कार्यक्रम का शुभारम्भ उसी दिन मा0 सॉसद, मा0 विधायक, सम्मानित जनप्रतिनिधियों तथा नोडल अधिकारियों की उपस्थिति में किये जाने के लिए दिये गये निर्देशों के क्रम में स्कूल चलो अभियान का शुभारम्भ जनपद गौतमबुद्धनगर में इन्दिरा गांधी कला केन्द्र, सैक्टर-06 नोएडा तथा गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा में किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गौतम बुद्ध नगर ऐश्वर्या लक्ष्मी ने जानकारी देते हुए बताया कि स्कूल चलो अभियान शुभारम्भ कार्यक्रम में अतिथि के रूप में मा0 सॉसद, मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत, मा0 विधान परिषद सदस्य, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) प्रथम मण्डल मेरठ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत राज अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी इत्यादि अधिकारियों तथा विभिन्न विद्यालयों के अध्यापक एवं बच्चों द्वारा प्रतिभाग किया गया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रमों में उपस्थित सभी को मा0 मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का बड़ी स्कीन पर लाइव प्रसारण दिखाया गया तथा स्कूल चलो अभियान का विधिवत शुभारम्भ मा0 जनप्रतिनिधियों के माध्यम से कराया गया। स्कूल चलो अभियान के दौरान शैक्षिक सत्र 2021-22 में आयोजित परीक्षा में सर्वोत्तम प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों को सम्मानित किया गया। जनपद के विद्यालयों में छात्र नामांकन बढ़ाये जाने के लिए सर्वोत्तम उदाहरण प्रस्तुत करने वाले विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को सम्मानित किया गया। जनपद में आपरेशन कायाकल्प कार्यक्रम के अन्तर्गत समस्त मानकों पर संतृप्त विद्यालयों के ग्राम प्रधानों को सम्मानित किया गया। स्कूल चलो अभियान कार्यक्रम में उपस्थित जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी के द्वारा जन सामान्य का आह्वान किया गया कि उनके द्वारा अपने अपने बच्चों का नामांकन विद्यालयों में कराया जाए ताकि वह शिक्षा प्राप्त कर अपना भविष्य उज्जवल बना सकें।उक्त जानकारी राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी ने दी।

चंडीगढ़ के मुद्दे पर भी राहुल का एकता मंत्र भूले हुड्डा और सैलजा, अलग-अलग दिखाई ताकत

चंडीगढ़। पिछले माह राहुल गांधी से एकजुट होने का मंत्र लेकर लौटे हरियाणा के कांग्रेस नेता राजधानी चंडीगढ़ पर पंजाब की दावेदारी का मिलकर भी विरोध नहीं कर सके। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने दिल्ली में कांग्रेस विधायक दल की बैठक कर जहां इस गुटबाजी को बढ़ा दिया, वहीं प्रदेश अध्यक्ष कुमारी सैलजा ने चंडीगढ़ में बैठक कर हुड्डा से अलग चलने का संकेत दे दिया। हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी विवेक बंसल अपने तमाम प्रयासों के बावजूद चंडीगढ़ पर हरियाणा के दावे को मजबूती से पेश करने के लिए हुड्डा और सैलजा को एक मंच पर लाने में कामयाब नहीं हो सके। विवेक बंसल खुद चंडीगढ़ में रहे और कुमारी सैलजा द्वारा बुलाई गई बैठक में भागीदारी की। बाद में उन्होंने सफाई दी कि सभी कांग्रेस

नेता एकजुट हैं। कांग्रेस ने ही यह रणनीति बनाई थी कि दिल्ली और चंडीगढ़ दोनों जगहों पर रहकर अपनी बात कहनी चाहिए। लोकसभा चल रही है। इसी रणनीति के तहत हुड्डा ने दिल्ली तो सैलजा ने चंडीगढ़ में बैठक की है। उन्होंने कहा कि पूरा कांग्रेस विधायक दल हरियाणा विधानसभा के विशेष सत्र में पंजाब विधानसभा में चंडीगढ़ को लेकर पारित प्रस्ताव का जबरदस्त विरोध करेगा और साथ ही एसवाईएल नहर निर्माण के लिए केंद्र, हरियाणा व पंजाब सरकारों पर दबाव बनाएगा। कांग्रेस के 31 विधायक हैं। दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में हुड्डा द्वारा बुलाई गई बैठक में 26 विधायक पहुंचे। किरण चौधरी किसी बैठक में नहीं गई। चंडीगढ़ स्थित पार्टी कार्यालय में सैलजा द्वारा बुलाई गई बैठक में चार विधायक शमशेर सह गोगी, रेणुबाला, शैली गुर्जर और शीशपाल केहरवाला ने भागीदारी की। हालांकि चेहरा दिखाने के लिए विधायक अमित सिहाग, बिशनलाल सैनी व वरुण चौधरी भी सैलजा की बैठक में पहुंचे, लेकिन दस मिनट बाद ही वह हुड्डा की बैठक में शामिल होने निकल गए। सैलजा की बैठक सुबह के समय थी और हुड्डा की बैठक शाम के वक्त रखी गई थी। सैलजा की बैठक में शामिल हुए कांग्रेस ओबीसी सेल के संयोजक कैप्टन अजय यादव ने कहा कि संगठन से बड़ा कोई नहीं हो सकता। हम सबकी नेता सोनिया गांधी हैं। कांग्रेसियों को समझना चाहिये कि उनके सामने चुनौती आम आदमी पार्टी नहीं बल्कि भाजपा ही है। उन्होंने याद कराया कि यदि 2019 में टिकटों का बंटवारा सही ढंग से हो गया होता तो हमारी सरकार बनती। हुड्डा की बैठक में शामिल सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि हम दिल्ली और चंडीगढ़ में सदन से लेकर सड़क तक हरियाणआ के हितों की लड़ाई लड़ेंगे। कांग्रेस प्रभारी विवेक बंसल ने राज्य के कांग्रेस नेताओं की गुटबाजी पर यह कहकर सफाई दी कि सब अपने-अपने ढंग से पार्टी व जनता के हित में काम कर रहे हैं। आठ साल से संगठन के बिना चल रही कांग्रेस से जुड़े सवाल पर बंसल ने कहा कि जल्दी इस समस्या का समाधान हो जाएगा। कुमारी सैलजा द्वारा चंडीगढ़ में बुलाई गई बैठक में पार्टी प्रभारी विवेक बंसल, कैप्टन अजय यादव, धर्मपाल मलिक और चारों विधायक पूरे समय मौजूद रहे। कैप्टन के बेटे चिरंजीव राव हुड्डा की बैठक में थे। आदमपुर के विधायक कुलदीप बिशनेई कांग्रेस विधायक दल की बैठक में कम ही पहुंचते हैं, लेकिन उन्होंने हुड्डा की बैठक में दिल्ली भागीदारी की।

भादू शेख हत्याकांड की जांच पर अपने रुख से सात को हाई कोर्ट को अवगत कराएगी सीबीआइ

कोलकाता। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) ने सोमवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय से कहा कि वह इस मुद्दे पर अपने रुख से सात अप्रैल को सुनवाई के दौरान अवगत कराएगी कि क्या भादू शेख की हत्या मामले की जांच एजेंसी द्वारा की जानी चाहिए या नहीं, सालिसिटर जनरल वाईजे दस्तूर ने कहा कि मामले में जांच चल रही है और वह सात अप्रैल को इस पहलू पर प्रकाश डाल सकती है, जब वह पीठ के समक्ष प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने वाली है। याचिकाकर्ता ने बोगटूई नरसंहार को भादू शेख की हत्या का प्रतिशोध

बताते हुए अनुरोध किया कि तृणमूल कांग्रेस नेता की हत्या की जांच राज्य पुलिस से सीबीआइ को पूर्ण जांच के लिए सौंपी जाए। पीठ ने 25 मार्च को आदेश दिया था कि बीरभूम जिले के बोगटूई में 21 मार्च को हुई हिंसा की जांच बंगाल सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल से सीबीआइ को सौंपी जाए। बीरभूम के बोगटूई में जिसके कारण बीरभूम जिले के रामपुरहाट क्षेत्र के बोगटूई में 11 लोगों को जिंदा जला दिया गया था। सीबीआइ सात अप्रैल को अपनी जांच की प्रगति रिपोर्ट अदालत के समक्ष प्रस्तुत करने वाली है। मुख्य न्यायाधीश प्रकाश श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति आर भारद्वाज की खंडपीठ ने तृणमूल कांग्रेस के उप पंचायत प्रमुख की हत्या की जांच केंद्रीय जांच एजेंसी को सौंपने का राज्य पुलिस को निर्देश देने के अनुरोध वाली अर्जी पर सुनवाई करते हुए सीबीआइ से उसका रुख पूछा था। सीबीआइ की ओर से पेश अतिरिक्त टीएमसी नेता भादू शेख की हत्या की घटना की सीबीआइ जांच की मांग की याचिका पर कलकत्ता हाई कोर्ट में आज सुनवाई हुई । याचिकाकर्ता का कहना है कि भादू शेख की हत्या की जांच अभी भी राज्य पुलिस के हाथ में है। पुलिस हत्या के गवाहों को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में उसका असर बोगटूई में हुए नरसंहार की घटना की सीबीआइ जांच पर पड़ सकता है। इसके अलावा टीएमसी नेता की हत्या की घटना की निष्पक्ष जांच जरूरी है अन्यथा बोगटूई में हुए नरसंहार का संपूर्ण सत्य प्रकट नहीं हो सकता।

बिहार में यूपी के योगी माडल की है जरूरत सवाल सुनते ही सीएम नीतीश कुमार ने साध ली चुप्पी

पटना। उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद द्वारा दो दिन पहले बिहार में योगी माडल की जरूरत की बात कहने के बाद राजनीतिक गलियारे में इस पर खूब चर्चा हो रही थी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कोटे से उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद के इस बयान पर जदयू खेमे में बेचैनी थी। दिल्ली तक इसकी गूंज पहुंची थी। वहीं सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से जब तारकिशोर प्रसाद के बयान को केंद्र में रख इस बारे में सवाल किया गया तो इनकार मोड में उन्होंने कुछ नहीं कहा और सीधे अपनी गाड़ी में बैठ गए। नीतीश कुमार स्थानीय प्राधिकार कोटे के तहत होने वाले विधान परिषद चुनाव के लिए पटना सदर प्रखंड में बने मतदान केंद्र पर वोट देने पहुंचे थे। मतदान के बाद लौटने के क्रम में संवाददाताओं से बातचीत के क्रम में उन्होंने यह बात कही। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर इन दिनों किस्म-किस्म के कयास चल रहे हैं। कभी उनके राज्यसभा जाने, कभी उप राष्ट्रपति तो कभी राष्ट्रपति व केंद्र में मंत्री बनाए जाने की चर्चा होती रहती है। ऐसे में भाजपा के तारकिशोर प्रसाद द्वारा बिहार में योगी माडल की बात ने राजनीतिक गलियारे में सनसनी पैदा कर दी थी। वैसे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधि-व्यवस्था से जुड़े प्रशन पर कहा कि कोई पूरे तौर पर यह दावा नहीं कर सकता कि घटनाएं एकदम खत्म हो जाएंगी। अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई हो। लगातार बैठक कर हमने कानूनी कार्रवाई की बात कही है। एमएलसी चुनाव के लिए वोट देने पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि पहले की तुलना में बिहार में आपराधिक घटनाओं में तो कमी आई ही है। अपराध को बहुत हद तक नियंत्रित किया गया है। कोई पूरे तौर पर दावा नहीं कर सकता है कि घटनाएं पूरी तरह से खत्म हो जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब कोई घटना घटती है तो पुलिस कार्रवाई करती है। कानूनी कार्रवाई भी होती है। दो दिन पहले उन्होंने समीक्षा बैठक में अपराध नियंत्रण से जुड़ी एक-एक बात कही है। मुख्यमंत्री से जब यह पूछा गया कि बिहार में योगी माडल पर चर्चा हो रही है तो उन्होंने कोई जबाव नहीं दिया और अपनी गाड़ी पर बैठ गए। वहीं इसके पूर्व खुद के राज्यसभा जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस तरह की खबरों से वह आश्चर्यचकित हो जाते हैं। विधान परिषद चुनाव में जीत की संभावनाओं से जुड़े एक प्रशन पर उन्होंने कहा कि यह तो मतदाताओं पर निर्भर करता है। वहीं उन्हें पूरी उम्मीद है एनडीए को लोग पूरे तौर पर विजयी बनाएंगे।

परिसीमन और कश्मीरी हिंदुओं की वापसी के माहौल को बिगाड़ने की साजिश, घाटी में 24 घंटे में 4 आतंकी हमले

श्रीनगर ।परिसीमन की जारी प्रक्रिया, कश्मीरी हिंदुओं के पुनर्वास को लेकर बन रहे माहौल और पर्यटकों की रिकार्ड आमद से बौखलाए आतंकियों ने कश्मीर में 24 घंटे में चार हमले किए। दक्षिण कश्मीर के शोपियां में आतंकियों ने एक 32 वर्षीय कश्मीरी हिंदू दवा विक्रेता और पुलवामा में बिहार के दो श्रमिकों (पिता-पुत्र) को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके अलावा श्रीनगर में गश्त कर रहे सीआरपीएफ कर्मियों पर हुए आतंकी हमले में एक जवान बलिदान और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। ये हमले उस समय हुए, जब परिसीमन आयोग विधानसभा चुनावों से पूर्व प्रदेश में परिसीमन की प्रक्रिया को अंतिम रूप देने के लिए स्थानीय लोगों से मिलने के लिए प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर है। परिसीमन आयोग ने सोमवार को जम्मू में विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात की, मंगलवार को श्रीनगर में यह सिलसिला जारी रहेगा। सीआरपीएफ के जवानों पर हमले की जिम्मेदारी पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट ने ली है, जबकि पुलवामा हमले में द रजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) का हाथ बताया जा रहा है। बता दें कि गत रविवार को आतंकियों ने पुलवामा के लित्तर में हिमाचल प्रदेश के निवासी ट्रक चालक सुरेंद्र सिंह व सहचालक धीरज दत्त को भी गोली मारकर घायल कर दिया था। शोपियां हमला : सोमवार शाम करीब 7:45 बजे चोटीगाम हरमेन में कश्मीरी हिंदू दवा विक्रेता बाल कृष्ण उर्फ सोनू अपने घर के बाहर खड़ा था। अचानक वहां आतंकी आए और उसपर तीन गोलियां दागी। गोली लगते ही बाल कृष्ण जमीन पर गिर पड़ा और आतंकी उसे मरा समझकर वहां से चले गए। आतंकियों के जाने के बाद घायल बाल कृष्ण को उसके स्वजन ने पड़ोसियों की मदद से अस्पताल पहुंचाया। डाक्टरों के मुताबिक, बाल कृष्ण की हालत चिंताजनक, लेकिन स्थिर बनी हुई है। उसकी टांग और बाजू में गोली लगी है। चोटीगाम हरमेन में कश्मीरी पंडितों के तीन परिवार रहते हैं। इस बीच, सूचना मिलते ही पुलिस व सेना के जवान गांव में पहुंच गए। उन्होंने आतंकियों की धरपकड़ तेज कर दी है। बता दें कि 32 साल बाद पहली बार श्रीनगर में गत शनिवार को कश्मीरी हिंदुओं ने सार्वजनिक रूप से नवरेह धूमधाम से मनाया है। श्रीनगर हमला : दोपहर बाद करीब सवा तीन बजे लालचौक के साथ सटे मैसूमा में मोटरसाइकिल पर सवार दो आतंकियों ने वहां गश्त कर रहे सीआरपीएफ कर्मियों पर गोलियां दागीं।

आखिर क्या है देश के सर्वाधिक चर्चित महंत यति नरसिंहानंद सरस्वती का दीपक त्यागी से कनेक्शन

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के बुराड़ी इलाके में आयोजित हिंदू महापंचायत में अपने विवादित और भड़काऊ भाषण के चलते स्वामी यति नरसिंहानंद सरस्वती एक बार फिर चर्चा में हैं। उन पर दिल्ली पुलिस ने इस मामले में केस भी दर्ज किया है। इससे पहले हरिद्वार

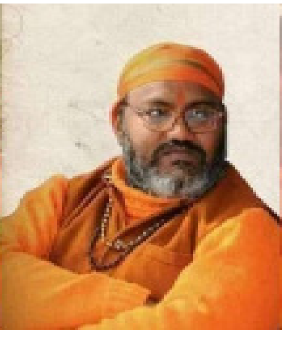

पुलिस इस हिंदूवादी नेता यति नरसिंहानंद को महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी करने के मामले में गिरफ्तार भी कर चुकी है। आइये जानते हैं कि कौन है यति नरसिंहानंद सरस्वती, जो हमेशा रहते हैं विवादों में अक्सर अपने विवादित बयानों को लेकर चर्चा में रहने वाले यति नरसिंहानंद सरस्वती गाजियाबाद के डासना स्थित देवी मंदिर के महंत हैं। वह फिलहाल हिंदू संतों के सबसे बड़े संप्रदाय 'जूना अखाड़े' के महामंडलेश्वर हैं। कुछ महीने पहले ही अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महासचिव और जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक महंत हरि गिरी ने यति नरसिंहानंद सरस्वती को अपना शिष्य स्वीकार किया। इसके बाद यति नरसिंहानंद महामंडलेश्वर बनाए गए। इसके बाद फिलहाल ये अपने विवादित बयानों की वजह से देशभर में चर्चा में हैं। बाताया जाता है कि डासना स्थित देवी मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद सरस्वती का असली नाम दीपक त्यागी है। इसके साथ ही वह मूलरूप से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के रहने वाले हैं। गुरु से दीक्षा लेने के बाद उन्हें नया नाम मिल यति नरसिंहानंद, इसके बाद न तो कोई दीपक त्यागी के नाम से बुलाता है और न ही वह खुद इसकी चर्चा पसंद करते हैं। बतौर दीपक त्यागी (यति नरसिंहानंद सरस्वती) ने हापुड़ के चौधरी ताराचंद इंटर कालेज से अपनी पढ़ाई की है। उनके मुताबिक, उन्होंने वर्ष 1989 में केमिकल टेकनेलाजी की डिग्री हासिल करने के लिए मास्को (रूस) का रुख किया था। नरसिंहानंद के अनुसार, वर्ष 1994 में डिग्री हासिल करने के बाद 1997 में स्वदेश लौट आए। वहीं, इससे पहले यानी डिग्री लेने के साथ ही वह मास्को में ही बतौर इंजीनियर अपनी सेवाएं देते रहे। कुछ महीने नौकरी करने के बाद वर्ष 1997 में मां के बीमार पड़ने के कारण नरसिंहानंद गाजियाबाद लौट आए। नरसिंहानंद के बारे में कहा जाता है कि वर्ष 1998 में उनकी मुलाकात भाजपा नेता बीएल शर्मा से हुई, जिसके बाद कुछ ऐसा हुआ कि जीवन पूरी तरह बदल गया। इसके बाद उन्होंने संन्यास लिया और फिर दीपक त्यागी से बदलकर अपना दीपेंद्र नारायण सिंह रखा। कुछ समय बाद उन्हें यति नरसिंहानंद सरस्वती के नाम से जाना लगा। नरसिंहानंद सरस्वती अपने बयानों में ज्यादातर एक खास समुदाय को ही निशाना बनाते रहे हैं। इसके लिए उन पर कई मामले भी दर्ज हो चुके हैं, जिनकी जांच जारी है। दरअसल, सेव इंडिया फाउंडेशन ने बिना पुलिस की अनुमति के ही रविवार को बुराड़ी मैदान में हिंदू महापंचायत का आयोजन किया था। इस मामले में मुखर्जी नगर थाने में चार मामले दर्ज किए गए हैं। ये चारों मामले भड़काऊ भाषण देने, बिना अनुमति के आयोजन करने, पत्रकारों के साथ मारपीट, छेड़खानी और इंटरनेट मीडिया पर गलत सूचना प्रसारित करने को लेकर दर्ज किए गए हैं। पुलिस चारों मामले की जांच कर रही है। उत्तर पश्चिमी जिले की डीसीपी उषा रंगनानी ने बताया कि आयोजक संस्था के अध्यक्ष प्रीत सिंह ने बुराड़ी मैदान में कार्यक्रम की अनुमति मांगी थी, लेकिन दिल्ली विकास प्राधिकरण की स्वीकृति का पत्र नहीं था। ऐसे में कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी गई थी। अनुमति नहीं मिलने के बाद भी रविवार को प्रीत सिंह अपने समर्थकों के साथ हिंदू महापंचायत के लिए पहुंच गए। महापंचायत में वक्ताओं ने दो समुदायों के बीच विद्वेष भड़काने वाले भाषण देने शुरू कर दिए। इस बाबत डीसीपी ने बताया कि इसमें यति नरसिंहानंद सरस्वती व सुदर्शन न्यूज के सुरेश चव्हाणके शामिल हैं। ऐसे में बिना अनुमति के आयोजन करने और भड़काऊ भाषण देने की धारा में मामला दर्ज किया गया है। वहीं, दूसरी ओर पोर्टल न्यूज के दो पत्रकारों ने शिकायत दी, जिसमें भीड़ पर नाम पूछकर मारपीट करने का आरोप लगाया। हालांकि, उन्होंने मेडिकल जांच से मना कर दिया। उनकी शिकायत पर मारपीट की धारा में मामला दर्ज किया गया। एक महिला पत्रकार ने भी दुर्व्यहार की शिकायत दी, मामला दर्ज किया गया।

हरियाणा विधानसभा में चंडीगढ़ व एभ्थ् पर प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास, पंजाब विधानसभा के प्रस्ताव का विरोध

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा के बीच चंडीगढ़ के मुद्दे पर गर्मागर्मी के बीच हरियाणा विधानसभा का विशेष सत्र में संकल्प पत्र को सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया है। इस संकल्प प्रस्ताव में पंजाब

पर सीधा निशाना साधा गया है। संकल्प प्रस्ताव पर तीन घंटे की चर्चा के बाद मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बहस का जवाब दिया और इसके बाद प्रस्ताव को पारित कर दिया गया। हरियाणा विधाानसभा के विशेष सत्र में राजधानी चंडीगढ़ को लेकर पंजाब विधानसभा द्वारा पारित प्रस्ताव के विरोध और एसवाईएल निर्माण, हिंदी भाषी क्षेत्र हरियाणा को देने सहित हरियाणा के हितों से जुड़े मुद्दों के समर्थन में संकल्प प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास हुआ। इसके बाद हरियाणा विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले संकल्प प्रस्ताव पर करीब तीन घंटे तक चली चर्चा का जवाब देते मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि सदन में सभी पक्षों की तरफ से 25 वक्ताओं ने संकल्प प्रस्ताव पर अपने विचार रखे हैं। सभी ने सरकार के संकल्प पत्र का समर्थन किया है।जगबीर सिंह मलिक ने बताया कि 1955 से ही यह मुद्दा उठा था। 23 अप्रैल 1966 को बना शाह कमीशन में कहा गया था कि खरड तहसील हरियाणा का हिस्सा बनेगी। 31 मई को आए इस तथ्य के बाद नौ जून को केंद्र की कैबिनेट सरकार ने निर्णय लिया कि खरड़ तहसील का पंजाबी भाषी क्षेत्र पंजाब और हिंदी भाषी क्षेत्र हरियाणा को दिया जाए। चंडीगढ़ को केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया। अगर चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश नहीं बनता तो यह मुद्दा खड़ा नहीं होता। 1970 में इंदिरा गांधी अवार्ड में कहा गया कि चंडीगढ़ पंजाब को और 105 हिंदी भाषी गांव हरियाणा को दिए जाएं। तीनों में अलग-अलग बातें हुई हैं। तभी से यह समस्या बनी हुई है। विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि पंजाब अल्डर ब्रदर की जगह बिग ब्रदर न बने। हरियाणा के गृहमंत्री ने तो पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार पर हमला बोलते हुए कह दिया कि पंजाब की हालत श्रीलंका जैसी होनेवाली है। कांग्रेस विधायक कुलदीप बिश्नोई ने पंजाब के सीएम भगवंत मान पर अमर्यादित टिप्पणी भी कर दी और कहा कि पंजाब के सीएम आदतन पियक्कड़ हैं। इनकी बात पर ज्यादा ध्यान कोई नहीं देता। सदन में चंडीगढ़ और एसवाईएल मुद्दे पर पेश किए गए संकल्प प्रस्ताव पर चर्चा चल रही है। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने विधानसभा में पंजाब विधानसभा में चंडीगढ़ पर दावे के विरोध का करते हुए संकल्प प्रस्ताव पेश किया। संकल्प पत्र में एसवाईएल नहर के निर्माण के लिए केंद्र सरकार से आग्रह गया है। प्रस्ताव में कहा गया है कि केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट के निणर्य के अनुसार पंजाब सरकार को एसवाईएल नहर बनाने के आदेश दे, ताकि राज्य को उसके हिस्से और हक का पानी मिल सके। जजपा विधायक ईश्वर सिंह ने प्रस्ताव पर चर्चा की शुरूआत की। प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा, ' पंजाब एल्डर ब्रदर की बजाय बिग ब्रदर बन रहा है। हमें बिग ब्रदर मंजूर नहीं है। हम चाहते हैं कि पंजाब एल्डर ब्रदर रहे। कांग्रेस हरियाणा सरकार के हर कदम के साथ खड़ी रहेगी। राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री से हरियाणा के हितों के लिए मिलने के लिए साथ रहेंगे। पंजाब सरकार का एक अप्रैल को चंडीगढ़ के मुद्दे पर पंजाब विधानसभा में पारित प्रस्ताव पूरी तरह असंवैधानिक है।

स्कूल की पढ़ाई छोड़ एक्टिंग करने लगी थीं दिव्या भारती, कम उम्र में ही बन गई थीं टॉप एक्ट्रेस

नई दिल्ली । दिव्या भारती का जन्म 25 फरवरी 1974 को मुंबई में हुआ था। उन्होंने अपनी पढ़ाई मुंबई से ही की थी। दिव्या भारती को बचपन से ही एक्टिंग करना पसंद था।

इसी वजह से उन्होंने महज 16 साल की उम्र में पढ़ाई छोड़कर एक्टिंग करना शुरू कर दिया था। दिव्या भारती ने साल 1990 में तेलुगु फिल्म 'बोब्बिली राजा' से एक्टिंग की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने साउथ सिनेमा की कई शानदार फिल्मों में काम किया। दिव्या भारती ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत 19 साल की उम्र में फिल्म 'विश्वात्मा' से की थी। इस फिल्म में उनके साथ सनी देओल, अमरीश पुरी, चंकी पांडेय और नसीरुद्दीन शाह सहित कई कलाकार मुख्य भूमिका में थे। साल 1992 में फिल्म 'विश्वात्मा' को दर्शकों को खूब पसंद किया था। इसके बाद दिव्या भारती ने ऋषि कपूर, शाहरुख खान और सुनील शेट्टी जैसे बड़े कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर की। दिव्या भारती ने 'दिल का क्या कसूर', 'शोला और शबनम', 'दीवाना', 'बलवान' और 'दिल ही तो है' सहित कई शानदार फिल्मों में काम किया था। इन सभी फिल्मों ने उन्हें बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्री के मुकाम पर पहुंचा दिया था। 90 के दशक में उनका स्टारडम देखते ही बनता था। फिल्मों के साथ दिव्या भारती ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर हमेशा चर्चा में रहती थीं। उन्होंने निर्माता-निर्देशक साजिद नाडियाडवाला से गुपचुप तरीके से शादी की थी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो दिव्या भारती के परिवार वाले उनकी इस शादी के खिलाफ थे, लेकिन उन्होंने अपने परिवार को बिना बताए साजिद नाडियाडवाला से शादी कर ली थी। 5 अप्रैल 1993 की रात को दिव्या भारती की आखिरी रात साबित हुई। हिंदी सिनेमा की इस खूबसूरत अदाकारा ने हमेशा के लिए दुनिया को छोड़ दिया था। दिव्या की मौत उसी रात मुंबई के वसीवा इलाके में एक पांच मंजिला इमारत से नीचे गिरने की वजह से हुई थी। कुछ लोगों ने माना कि यह आत्महत्या थी। जबकि कुछ लोगों को इस मौत में षड्यंत्र के तौर पर देखते हैं और वह इसे मर्डर मान रहे थे। मुंबई पुलिस इस मामले में सबूत जुटाने में नाकामयाब रही और उनकी मौत के लगभग 5 साल के बाद इस केस की फाइल 1998 में बंद कर दी गई। ऐसे में आज तक सही तौर पर दिव्य भारती की मौत की वजह का पता नहीं चल पाया है।

उर्फी जावेद ने स्मॉल साइज कपड़े से कुछ इस तरह बनाया टॉप

नई दिल्ली । उर्फी जावेद ने एक बार फिर सोशल मीडिया में बवाल मचा दिया है। इस बार उर्फी ने ड्रेस के साथ ऐसा प्रयोग किया है कि लोग इसे हजम नहीं कर पा रहे। खासकर, रमजान की वजह से कई यूजर्स ने उर्फी को उनके

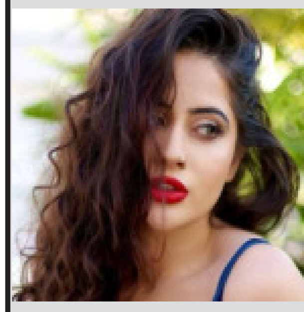

इस भड़काऊ पहनावे के लिए टोका है और ट्रोल किया है। उर्फी ने एक इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वो मस्ती करती नजर आ रही हैं। इस पोस्ट पर उर्फी की ड्रेस को लेकर कई लोगों ने कमेंट किये हैं। वीडियो में उर्फी बाथ टब पर बैठी हुई हैं। उन्होंने ब्लू कलर की जींस पहनी हुई है। दोनों हाथों को कवर किया हुआ है। मगर, टॉप की वजह एक बेहद छोटा कपड़ा लपेटा हुआ है। उर्फी पास में रखे टेलीफोन को उठाकर बात करने का उपक्रम करती हैं और पूछती हैं- हू इज दिस। खुद ही जवाब देती हैं- मेरा एक्स और फिर कुछ कमेंट करते हुए फोन रख देती हैं। अंत में उर्फी हंस पड़ती हैं। उर्फी की इस मस्ती को कई लोगों ने पसंद किया है और दिलचस्प कमेंट किये हैं, मगर कुछ ऐसे भी हैं, जो उर्फी के अंदाज पर भड़के हुए हैं। ऐसे फैंस ने कमेंट्स में लिखा कि कम से कम इस महीने तो इन्हें ऐसे लिबास नहीं पहनने चाहिए। एक यूजर ने लिखा- रमजान है उर्फी जी। इस महीने में कुछ शर्म करो। वैसे, तमाम लोग ऐसे भी है, जिन्होंने उर्फी जावेद का हौसला बढ़ाया है और उनके वीडियो को फनी बताया है। वहीं, उनकी फैशन सेंस को भी लाइक किया है। कई यूजर्स ने उर्फी को हॉट कहा है। बता दें, उर्फी जावेद टीवी शोज का चर्चित चेहरा हैं और कई टीवी शोज में काम कर चुकी हैं। हालांकि, उनके करियर की सबसे बड़ी जम्प बिग बॉस ओटीटी ही है। इस शो में भाग लेने के बाद उर्फी रातों-रात स्टार बन गयी थीं और उन्हें बड़े स्तर पर पहचाना जाने लगा था।

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा ने बचपन को याद कर सड़क पर किया बच्चों वाला डांस, फैन्स ने कही ये बात

नई दिल्ली । भोजपुरी फिल्मों से अपना करियर शुरू करने वाली मोनालिसा आज टीवी जगत का एक जाना-माना नाम हैं। उन्होंने अपने शो 'नजर' से फैन्स के दिलों में अपनी एक अलग और खास जगह बनाई है। हालांकि भोजपुरी

से टेलीविजन तक का ये सफर आसान नहीं था। बिग बॉस से में अपने व्यवहार के लिए पसंद की जाने वालीं मोनालिसा को लोग सिर्फ शोज में ही नहीं बल्कि सोशल मीडिया पर भी काफी प्यार देते हैं। वह जब भी कोई वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो उनके चाहने वाले उस पर जमकर प्यार लुटाते हैं। हाल ही में मोनालिसा अपने बचपन की यादों को ताजा करते हुए नजर आईं। मोनालिसा इन दिनों अपने पति विक्रांत सिंह के साथ स्टार प्लस के रिएलिटी शो 'स्मार्ट जोड़ी' में नजर आ रही हैं। वह सेट से अक्सर कई खूबसूरत तस्वीरें और वीडियो शेयर करती हैं। हाल ही में मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक रील पोस्ट की। इस रील में वह अपने पति विक्रांत के साथ 'पगली आ पगली' गाने पर डांस कर रही हैं। लेकिन इस वीडियो में मोनालिसा के क्यूट डांस और अंदाज के साथ फैन्स को जो चीज सबसे ज्यादा पसंद आ रही है वह है उनकी कॉस्टयूम। इस रील में मोनालिसा ने पिंक और ब्लू रंग की फ्रॉक पहनी हुई है और साथ ही दो जूड़ा बांधा हैं, तो वही उनके पति विक्रांत पिंक रंग की शर्ट और ब्लू हाफ पैंट में नजर आ रहे हैं। मोनालिसा ने इस वीडियो को कैप्शन देते हुए लिखा, 'अले ले ले, बचपन की यादें, इसके अलावा वह सड़क पर बिना किसी की परवाह किए बच्चों की तरह मसखरी करते हुए नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का यह क्यूट अंदाज देखकर फैन्स भी खुद को उनकी तारीफ करने से रोक नहीं पा रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए मोनालिसा को 'बचपन का प्यार' बता दिया। दूसरे यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'अले ले ले ये किसका बच्चा है इतना प्यारा'। अन्य यूजर ने लिखा, 'ये बच्चे बहुत ही प्यारे हैं। कई यूजर्स ने तो उन्हें 'छोटे-छोटे बच्चे कहकर भी पुकारा'। उनके इस वीडियो को देखकर फैन्स के चेहरों पर एक बड़ी ही मुस्कान आ गई है। मोनालिसा भोजपुरी के अलावा आज टीवी इंडस्ट्री का भी एक बड़ा चेहरा हैं। लेकिन उन्होंने अपने करियर की शुरुआत टीवी और भोजपुरी से नहीं बल्कि बॉलीवुड फिल्म से की थी। मोनालिसा ने साल 1997 में फिल्म 'जयते' में काम किया था। इसके बाद उन्होंने कई उड़िया फिल्मों में भी काम किया। हिंदी और भोजपुरी के अलावा मोनालिसा ने तमिल, तेलुगु, कन्नड और बंगाली फिल्मों में भी खूब काम किया। मोनालिसा साल 2012 में बिग बॉस सीजन 6 में नजर आई थीं और वही उन्होंने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड और भोजपुरी एक्टर विक्रांत सिंह से शादी की थी। इसका बाद उन्होंने दिव्य-दृष्टि, नजर, नजर 2 सहित कई शोज में काम किया। इन दिनों वह स्मार्ट जोड़ी में नजर आ रही हैं।

करीना कपूर की कार के नीचे दबा पैपराजी का पैर निकली एक्ट्रेस की चीख

नई दिल्ली । हाल ही में एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ खान का एक्सिडेंट हुआ था। जिन्हें देखने के लिए उनकी दोस्त और अभिनेत्री करीना कपूर खान उनके घर पहुंची। इस दौरान एक्ट्रेस की फोटो लेने के

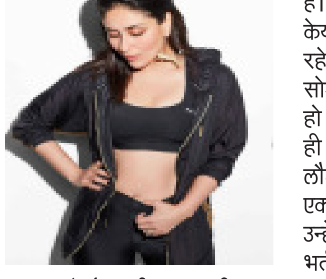

चक्कर में पैपराजी का उनकी कार के साथ एक्सीडेंट हो गया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने वायरल हो रहा है। वायरल हो रहे इस वीडियो में अदाकारा करीना कपूर खान मलाइका अरोड़ा को देखकर उनके घर से बाहर निकल रही होती है तो उनका ड्राइवर उन्हें रिसीव करने के लिए गाड़ी लेकर घर के गेट पर आता है। इस दौरान मीडिया की भारी भीड़ भी गेट पर इकट्ठा होती है। तभी अचानक एक पैपराजी का पैर करीना की कार से टकरा जाता है और वह चिल्लाने लगता है। तभी करीना की भी नजर पड़ती है और वह ड्राइवर पर जोर से चिल्ला कर कहती है पीछे जा यार और इशारा करते हुए ड्राइवर से गाड़ी पीछे लेने के लिए कहती हैं। पैपराजी के लिए करीना के इस केयरिंग अंदाज की लोग प्रशंसा कर रहे है और इसके साथ ही वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। आपको बता दें कि हाल ही में मलाइका अरोड़ा का पुणे से लौटते वक्त एक्सप्रेसवे पर कार एक्सीडेंट हो गया था। जिसके बाद उन्हें नवी मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था और कल सुबह ही वह डिस्चार्ज होकर घर वापस लौटी हैं। मलाइका से मिलने उनके घर पर करीना के अलावा उनके बॉयफ्रेंड अर्जुन कपूर और बहन अमृता अरोड़ा भी पहुंचे थे। करीना कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द नेटफ्लिक्स की एक फिल्म करने वाली हैं। जिसकी घोषणा हाल ही में की गई थी। फिल्म का निर्देशन सुजॉय घोष करेंगे। वहीं जयदीप अहलावत और विजय वर्मा करीना के साथ मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

आर आर आर की सक्सेस के बाद राम चरण ने क्रू मेंबर्स को दिया लाखों की कीमत का खास तोहफा, जानकर एक्टर के लिए बढ़ जाएगा फैंस का प्यार

नई दिल्ली । एसएस राजामौली की फिल्म 'आरआरआर' इन दिनों दर्शकों के बीच काफी पसंद की जा रही है। बॉक्स ऑफिस पर भी इस फिल्म का जलवा बरकरार है। जूनियर एनटीआर, रामचरण, आलिया भट्ट और अजय देवगन स्टारर ये फिल्म वर्ल्डवाइड 900 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस कर

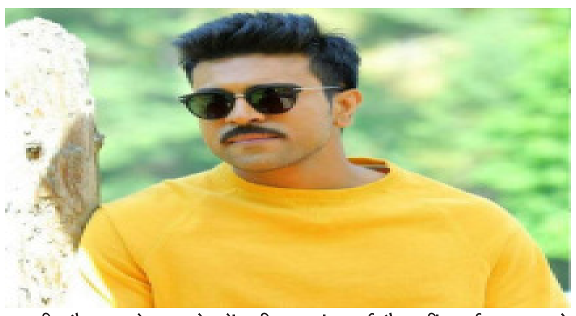

चुकी है। दूसरे हफ्ते में भी सिनेमाघर हाऊसफुल चल रहे हैं। फिल्म की सफलता से इसके स्टार्स काफी खुश नजर आ रहे हैं। लेकिन मूवी के लीड एक्टर राम चरण ने अपनी खुशी जाहिर करने के लिए जो किया उसपर विश्ववास कर पाना आपके लिए जरा मुश्किल होगा। उन्होंने अपनी खुशी को जिस तरह से क्रू मेंबर्स के साथ सेलिब्रेट किया किसी ने सोचा भी नहीं होगा। आइए जानते हैं एसएस राजामौली की फिल्म 'आरआरआर' ने बॉक्स ऑफिस पर रेकॉर्ड बना दिया है। जहां 'आरआरआर' के हिंदी वर्जन की कमाई 200 करोड़ के करीब पहुंच गई है, वहीं वर्ल्डवाइड इसने 900 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। इसी खुशी में राम चरण ने फिल्म 'आरआरआर' की टीम को खास सोने के सिक्के गिफ्ट में दिए हैं। राम चरण ने 35 यूनिट मेंबर्स को उनकी मेहतन के लिए खास सोने के सिक्का दिया है जिस पर 'आरआरआर' लिखा है। 'इंडियन एक्सप्रेस' की रिपोर्ट के मुताबिक, 'राम चरण ने 'आरआरआर' की सफलता और क्रू मेंबर्स के काम की सराहना की। यही नहीं उन्होंने 35 यूनिट मेंबर्स को हैदराबाद स्थित अपने घर पर भोजन के लिए आमंत्रित किया और फिर सबको मिठाई के साथ-साथ सोने के सिक्के गिफ्ट किए। इतना महंगा गिफ्ट और राम चरण का दिल देख हर कोई हैरान रह गया। बताया जा रहा है कि हर एक सिक्का करीब 11.6 ग्राम का है। हर सिक्के की कीमत 55,000 से 60,000 तक है खबर है कि आरआरआर का हिन्दी वर्जन नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो सकता है, वहीं बताया जा रहा है कि फिल्म रिलीज के करीब 3 महीने बाद, यानी 25 जून तक ओटीटी पर रिलीज हो सकती है। बता दें कि आरआरआर के वीएफएक्स काफी पसंद किए जा रहे हैं। फिल्म ने रिलीज के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़ दिए है।

रूस में रिलीज होगी 'केजीएफ 2' ब्रिटेन में एडवांस बुकिंग खुलते ही 5000 टिकट बिकने का रिकॉर्ड

नई दिल्ली । एसएस राजामौली की बाहुबली फिल्म आरआरआर के बाद जिस दक्षिण भारतीय फिल्म का इंतजार फैंस को बेकरार कर रहा है, वो है केजीएफ चैप्टर 2 , जिसकी रिलीज में कुछ दिन ही बाकी हैं। ओवरसीज के कुछ बाजारों में फिल्म की एडवांस बुकिंग खुल गयी हैं और टिकट बिक्री से इसको लेकर फैंस की दीवानगी का पता चल रहा है। केजीएफ चैप्टर 2 सिनेमाघरों में 14 अप्रैल को रिलीज हो रही है। केजीएफ 2 कनन्ड़ के अलावा तेलुगु, तमिल, मलयालम और हिंदी में रिलीज की जा रही है। घरेलू बॉक्स ऑफिस के अलावा फिल्म ग्लोबल स्टेज पर भी बड़े पैमाने पर रिलीज की जाएगी। फिल्म की टीम के मुताबिक, यूके में प्री-बुकिंग काउंटर खुल गये हैं। टीम ने दावा किया कि महज 12 घंटों के भीतर पांच हजार टिकट बिक गये, जो किसी भारतीय फिल्म के लिए एक नया रिकॉर्ड है। टिकट की यह संख्या अब तक की सबसे अधिक बतायी जाती है। वहीं, अमेरिका में फिल्म 13 अप्रैल को रिलीज होने की खबर है। ग्रीस में रिलीज होने वाली

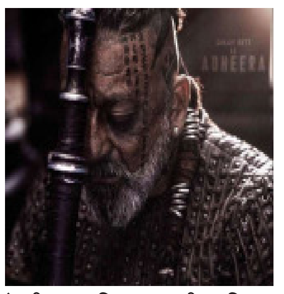

केजीएफ दक्षिण भारतीय फिल्म होगी। रूस इस वक्त भले ही यूक्रेन के साथ युद्ध को लेकर खबरों में है, मगर फिल्म वहां भी रिलीज की जा रही है। रूस में केजीएफ रूसी सब्टाइटल्स के साथ सभी साउथ इंडियन भाषाओं में रिलीज की जाएगी। उत्तर भारतीय क्षेत्रों में केजीएफ चैप्टर 2 को फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी की कम्पनी एक्सेल एंटरटेनमेंट और एए फिल्म्स वितरित कर रहे हैं। फिल्म का पहला भाग केजीएफ चैप्टर 1 भी उन्होंने ही हिंदी भाषी क्षेत्रों तक पहुंचाया था। केजीएफ चैप्टर 1 बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी और तभी से इसके दूसरे भाग का इंजतार किया जा रहा है। केजीएफ फ्रेंचाइजी को प्रशांत नील ने लिखा और निर्देशित किया है। केजीएफ 2 में संजय दत्त विलेन अधीरा के किरदार में नजर आएंगे। रवीना टंडन पॉलिटिशियन के किरदार में हैं। केजीएफ चैप्टर 2 का ट्रेलर भी काफी सफल रहा है। दूसरे भाग में रॉकी भाई की आगे की जर्नी दिखायी जाएगी। दूसरे भाग में रॉकी और अधीरा के बीच लड़ाई फिल्म का हाइलाइट है। केजीएफ यानी कोलार गोल्ड फील्ड्स की कहानी 70-80 के दौर में सेट है और सोने की खदान पर कब्जे की पृष्ठभूमि में दिखायी गयी है।

ग्रैमी अवार्ड जीतने पर फाल्गुनी शाह और रिकी केज को पीएम मोदी ने दी शुभकामनाए.....

नई दिल्ली । लॉस वेगास स्थित नेशनल एकेडमी ऑफ रिकॉर्डिंग आर्ट्स एंड साइंसेज में 64वें ग्रैमी अवार्ड का वितरण हो चुका है। इस 64वें ग्रैमी अवार्ड में म्यूजिक के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाली हस्तियों को पुरस्कार से नवाजा गया। रविवार रात आयोजित

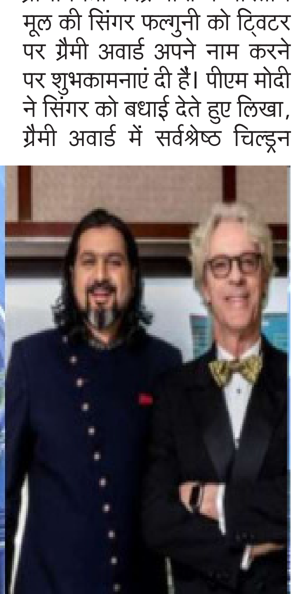

इस अवार्ड समारोह में भारतीय मूल की सिंगर फाल्गुनी शाह और रिकी केज ने भी ग्रैमी अवार्ड अपने नाम किया है। फाल्गुनी शाह को ये सम्मान चिल्ड्रन म्यूजिक एलबम आ रहमान के लिए दिया गया है। अब प्राधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय मूल की सिंगर फल्गुनी को ट्विटर पर ग्रैमी अवार्ड अपने नाम करने पर शुभकामनाएं दी हैं। पीएम मोदी ने सिंगर को बधाई देते हुए लिखा, ग्रैमी अवार्ड में सर्वश्रेष्ठ चिल्ड्रन म्यूजिक एलबम का पुरस्कार जीतने पर फाल्गुनी शाह को बहुत-बहुत बधाई। भविष्य के प्रयासों के लिए उन्हें बहुत-बहुत शुभकामनाएं। फाल्गुनी शाह को ये अवार्ड उनकी एलबम आ रहमान के लिए मिला है, जोकि बच्चों के लिए है। ग्रैमी अवॉर्ड्स में सिंगर ने बेस्ट चिल्ड्रन म्यूजिक एलबम का पुरस्कार अपने नाम किया है वहीं, प्राधानमंत्री ने रिकी केज को भी अवार्ड जीतने पर ट्वीट कर शुभकामनाएं दी हैं। 64वें ग्रैमी अवार्ड में रिकी केज ने भी ग्रैमी अवार्ड अपने नाम किया है। उन्हें ये पुरस्कार डिवाइन टाइडस के लिए मिला है। रिकी केज ने इस पुरस्कार को रॉक लीजेंड स्टीवर्ट कोपलैंड के साथ साझा किया है। रिकी और कोपलैंड ने डिवाइन टाइडस के लिए बेस्ट न्यू एज एलबम का खिताब अपने नाम किया है। जानकारी के अनुसार ये रिकी केज का दूसरा ग्रैमी अवार्ड है। इससे पहले वो साल 2015 में अपनी एलबम विंड्स ऑफ संसार के लिए पहला ग्रैमी अवार्ड जीत चुके हैं। रिकी केज दुनिया भर के 20 से ज्यादा देशों में 100 से ज्यादा पुरस्कार जीत चुके हैं आपको बता दें, रिकी केज और फाल्गुनी शाह ने अपने ग्रैमी अवार्ड जीतने की जानकारी अपने-अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पुरस्कार के साथ तस्वीरें शेयर कर दी थी।

कंगना रनोट के शो में पूनम पांडे ने पार की हद सबसे ज्यादा वोट मिलने पर कैमरे के सामने उतारे कपड़े लेकिन

नई दिल्ली । बॉलीवुड क्वीन कंगना रनोट होस्टेड शो 'लॉकअप' लगातार चर्चा में बना हुआ है। इस शो की सबसे ज्यादा बोल्ड और कंट्रोवशियल कंटेस्टेंट पूनम पांडे

इन दिनों काफी खुखियों में बनीं हुई हैं। पूनम के साथ कई विवाद जुड़े रहे हैं। बीते हफ्ते पूनम पांडे चार्जशीट में थीं तब उन्होंने अपने फैन्स से कहा था कि अगर उन्हें इस हफ्ते जमकर वोट्स मिले तो वह कैमरे पर टॉपलेस हो जाएंगी। कमाल की बात ये है कि पूनम को वाकई में शो में सबसे ज्यादा वोट मिले। वहीं दर्शकों के सबसे ज्यादा वोट मिलने के बाद पूनम ने भी अपना वादा पूरा किया। वह अपने वादे से पीछे नहीं हटीं। शो की होस्ट कंगना रनोट ने जैसे ही पूनम को बताया कि वह इस हफ्ते सबसे ज्यादा वोट पाने वाली कंटेस्टेंट हैं। उन्होंने सबको पीछे छोड़ते हुए सबसे ज्यादा वोट हासिल किए। कंगना की ये बात सुनते हुए पूनम कैमरे के सामने आती हैं इसके बाद वो जो करती हैं उसे देखकर हर कोई चौंक जाता है। पूनम कैमरे के सामने आते ही और अपनी व्हाइट टीशर्ट उतारती हैं और फिर तुरंत ही उसे पहन लेती हैं। इसके साथ वह अपने सभी फैन्स का शुक्रिया भी अदा करती हैं। वहीं पूनम कहती हैं, 'इस शो को हर उम्र के लोग देखते हैं तो ऐसे में उनकी भी कुछ सीमाएं हैं जिसे वो पार नहीं करना चाहती हैं। वहीं शो में पूनम ने कहा, 'वह रुल्स ब्रेक नहीं कर सकती हैं। वह कुछ भी ज्यादा नहीं कर सकती हैं। यह बहुत ही खूबसूरत सा प्लेटफॉर्म है और इसे हर एज ग्रुप के लोग देख रहे है तो मै ऐसा कुछ नहीं करना चाहती कि कुछ लोगों को यह बुरा लगे। प्रॉमिस भी पूरी करनी थी और लिमिट्स भी क्रॉस नहीं करनी थी। ऐसे में मैंने जो किया वो हिसाब से किया। जिन लोगों के लिए शो के बाद मैं आगे सबकुछ करती हूं ना लेकिन मै इस पूरे हफ्ते भर-भर के आपको एंटरटेनमेंट दूंगी।वो आप मुझसे ज्यादा एक्सपेक्ट कर सकते हैं। तो प्लीज इसे याद रखिएगा।'

अमेजन प्राइम वीडियो ने की पहले कोर्ट रूम ड्रामा 'गिल्टी माइंड्स' की घोषणा, जानें क्या है कहानी और कब होगा रिलीज

नई दिल्ली । ओटीटी स्पेस में विभिनन्‍ प्लेटफॉर्म्स पर क्रिमिनल जस्टिस, योन ऑनर और इललीगल जैसे कई चर्चित कोर्ट रूम ड्रामा मौजूद हैं। अब ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो भी एक कोर्ट रूम ड्रामा लेकर आ रहा, जिसका शीर्षक है- गिल्टी माइंड्स। प्लेटफॉर्म ने फर्स्ट लुक के साथ सोमवार को इसका एलान किया। शो इसी महीने प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम किया जाएगा। गिल्टी माइंड्स की कहानी दो युवा महत्वाकांक्षी वकीलों के इर्द-गिर्द घूमती है। सीरीज इन दोनों वकीलों की कानूनी यात्रा और संघर्षों को दिखाती है। साथ ही केसों के माध्यम से इनकी विचारधाराओं का टकराव भी नजर आएगा। शो में सुप्रिया पिलगांवकर और वरुण मित्रा इन युवा वकीलों के किरदारों में नजर आएंगे। वहीं, नम्रता शेठ, सुगंधा गर्ग, कुलभूषण खरबंदा, सतीश कौशिक, बेंजामिन गिलानी, वीरेंद्र शर्मा, दीक्षा जुनेजा, प्रणय पचौरी, दीपक कालरा और चित्रांगदा सतरूपा अहम सहयोगी किरदार निभा रहे हैं। श्रिया को दर्शक इससे पहले प्राइम वीडियो की सीरीज मिर्जापुर में देख चुके हैं। वहीं, वरुण मित्रा जलेबी और तेजस की स्टार कास्ट का हिस्सा रहे हैं। शो का निर्देशन शेफाली भूषण और जयंत दिगंबर समलकर ने किया है। करिश्मा तनन, शक्ति कपूर और सुचित्रा कृष्णमूर्ति जैसे अभिनेता शो में गेस्ट अपीयरेंस में नजर आने वाले हैं।सीरीज का निर्माण करण ग्रोवर, अंतरा बनर्जी और नावेद फारूकी ने किया है। प्राइम ने सोशल मीडिया में शो का फर्स्ट लुक भी शेयर किया है, जिसमें सभी प्रमुख किरदारों को वकीलों के लिबास में दिखाया गया है और चेहरे पर एक कॉमन पट्टी बंधी है। इसके साथ लिखा गया है- आप इसे नजरअंदाज नहीं कर पाएंगे। सुनवाई जल्द शुरू होगी।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।